नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K

RNI No.61546/95

दैनिक

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-172 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शनिवार 15 अगस्त 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

सभी देशवासी, स्वतंत्र भारत की नियति के निर्माता बने': राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्म

राष्ट्रपति का देश के नाम संबोधन

नई दिल्ली (ए.)। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्र को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों को नमन करते हुए देशवासियों की राष्ट्र-निर्माण में भूमिका, विभाजन की त्रासदी, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और पिछले एक दशक से अधिक समय में हुए विकास का उल्लेख किया।राष्ट्रपति ने कहा, 15 अगस्त 1947 के दिन भारतमाता पराधीनता की बेड़ियों से मुक्त हुईं। सभी देशवासी, स्वतंत्र भारत की नियति के निर्माता बने। उन्होंने कहा कि निष्ठावान विद्यार्थी और शिक्षक, विकास के लिए तत्पर वैज्ञानिक और इंजीनियर, स्वास्थ्य सेवा में कार्यरत डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी, मेहनती श्रमिक और अन्नदाता किसान अपने प्रयासों से राष्ट्र-निर्माण कर रहे हैं। अन्य क्षेत्रों में सक्रिय असंख्य देशवासी तथा संविधान में निहित मूल कर्तव्यों का पालन करने वाले सभी नागरिक राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण भागीदार हैं। राष्ट्रपति ने सभी की हृदय से सराहना की। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि अपनी समृद्ध विरासत और स्वाधीनता संग्राम के आदर्शों को अपनाते हुए भारत आधुनिक विकास के मार्ग पर अग्रसर है। वयं राष्ट्रे जागृयाम, यह वेद-वाक्य हमें प्रेरणा देता है कि हम राष्ट्र के लिए सदैव जागरूक रहें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नेतृत्व में अनगिनत देशवासी स्वाधीनता संग्राम से जुड़ गए। बाबासाहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर ने समाज सुधार तथा राष्ट्र-निष्ठा के उच्च आदर्श प्रस्तुत किए। उन्होंने भारतमाता की उन सभी महान संतानों को सादर नमन किया, जिनके आदर्शों पर चलते हुए देश स्वतंत्र हुआ और आगे बढ़ा। राष्ट्रपति ने कहा कि आज 14 अगस्त के दिन को हम विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाते हैं। सांप्रदायिक हिंसा की वजह से लाखों लोगों को शरणार्थी बनना पड़ा और बंटवारे की विभीषिका सहन करनी पड़ी। फिर भी, उन्होंने अपनी पहचान नहीं छोड़ी। उन्होंने कहा कि जब हमारा देश स्वतंत्र हुआ, उस समय देश के विभाजन के गंभीर परिणामों के साथ-साथ 550 से अधिक रियासतों को नवस्वाधीन भारत के साथ जोड़ना भी एक असाधारण चुनौती थी। सरदार पटेल ने राजशाही व्यवस्थाओं को समाप्त करके हमारे स्वाधीन लोकतंत्र में उनका विलय किया। राष्ट्रपति ने कहा कि लोकतंत्र की जननी भारतभूमि के निवासियों में जनभागीदारी की भावना सदा से विद्यमान रही है। उस भावना को नई ऊर्जा के साथ हमारे देशवासी आगे बढ़ा रहे हैं।उन्होंने कहा कि आज साधारण पृष्ठभूमि के लोग अनेक क्षेत्रों में असाधारण योगदान दे रहे हैं। इससे उनका यह विश्वास दृढ़ होता है कि आज के भारत में हर व्यक्ति बड़े सपने देख भी सकता है और उन्हें पूरा भी कर सकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि जनप्रतिनिधियों का कर्तव्य है कि वे विधायिका में जन-आकांक्षाओं को अभिव्यक्त करें। कार्यपालिका का कर्तव्य है कि जनहित और राष्ट्रहित की नीतियों को कार्यरूप दे। न्याय-व्यवस्था से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि अभाव के कारण कोई व्यक्ति न्याय से वंचित न रहे।

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि पिछले एक दशक से कुछ अधिक समय में हमारे देश ने तेज गति से समावेशी विकास किया है, विरासत और विकास के समन्वय को प्राथमिकता दी है तथा विकास में बाधक दशकों पुराने अनेक अवरोधों को दूर किया है। उन्होंने कहा कि हमारे देशवासी महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती मना रहे हैं। महात्मा फुले और क्रांति-ज्योति सावित्रीबाई फुले ने सामाजिक न्याय, शिक्षा, महिला सशक्तीकरण और समानता के क्षेत्र में ऐतिहासिक योगदान दिया है। उनके आदर्शों के अनुसार विगत कुछ वर्षों के दौरान वंचित वर्गों को आगे बढ़ाने के लक्ष्य को राष्ट्रीय प्राथमिकता दी गई है। राष्ट्रपति ने कहा कि 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी से मुक्ति दिलाने में सफलता मिली है। विश्व की सबसे बड़ी वित्तीय समावेश की योजना प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत लगभग 59 करोड़ खाताधारक बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ चुके हैं।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव भोपाल दक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र की विशाल तिरंगा यात्रा में विधायक भगवानदास सबनानी के साथ शामिल हुए

जनगणना 2027: गृह मंत्रालय ने जारी की 40 सवालों की आधिकारिक सूची, जाति की जानकारी भी होगी शामिल

नईदिल्ली,(आरएनएस)। गृह मंत्रालय ने जनगणना 2027 के दूसरे चरण यानी जनसंख्या गणना के लिए कुल 40 आधिकारिक सवालों की सूची अधिसूचित कर दी है। भारत के महापंजीयक मृत्युंजय कुमार नारायण द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अधिकृत जनगणना अधिकारी निर्धारित सीमाओं में घर-घर जाकर परिवार अनुसूची के माध्यम से ये जानकारियां जुटाएंगे। इस बार की जनगणना पहली पूर्ण डिजिटल जनगणना होगी, जिसमें 1931 के बाद पहली बार व्यापक स्तर पर जातिगत डाटा भी स्व-घोषणा के आधार पर दर्ज किया जाएगा।

दैनिक क्षितिज किरण परिवार की ओर से हमारे सभी पाठकों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

-सम्पादक

अवकाश की सूचना

दैनिक क्षितिज किरण के कार्यालय में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अवकाश रहेगा अत: हमारा अगला अंक दिनांक 17 अगस्त 2026 को प्रकाशित होगा।

-व्यवस्थापक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव राज्य स्तरीय समारोह में करेंगे ध्वजारोहण

लाल परेड मैदान में होगा राज्य स्तरीय समारोह

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भोपाल में राज्य स्तरीय समारोह में स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण करेंगे। वे समारोह में संयुक्त परेड की सलामी लेंगे। शनिवार, 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास, उत्साह और गरिमामय ढंग से मनाया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस का राज्य स्तरीय समारोह लाल परेड मैदान में आयोजित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ध्वजारोहण के बाद परेड का निरीक्षण करेंगे और प्रदेश की जनता के नाम संदेश का वाचन करेंगे। समारोह में पुलिस बैंड सहित कुल 22 टुकड़ियां अनुशासित एवं आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत करेंगी। परेड का नेतृत्व भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी एवं एसडीओपी सिहोरा, जबलपुर आदित्य सिंघारिया करेंगे। सहायक परेड कमांडर की भूमिका नगर पुलिस अधीक्षक सिंगरौली हेमंत कुमार निभाएंगे।

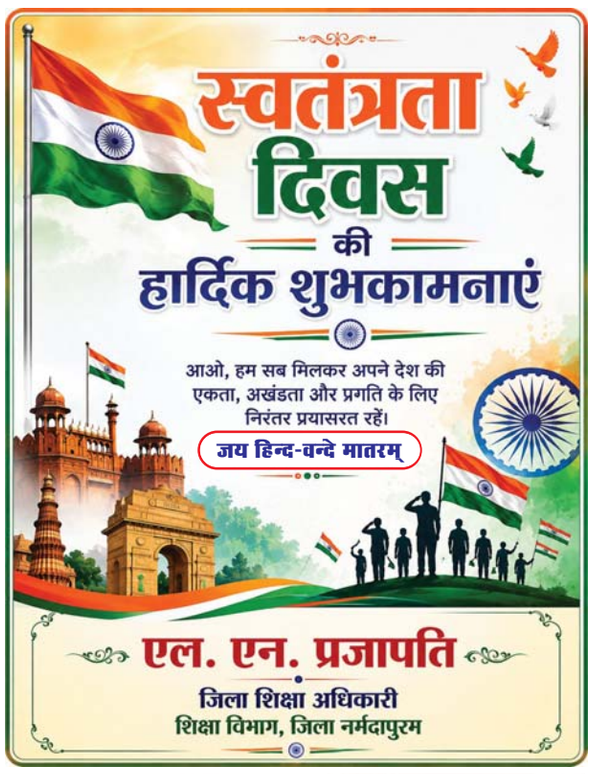

भारत बनेगा विश्व का सर्वश्रेष्ठ देश : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

युवा बाइकर्स, वरिष्ठ नागरिक, स्कूली बच्चे, महिलाएं, व्यापारी तिरंगे के साथ यात्रा में हुए शामिल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव तथा पूर्व प्रोटेम स्पीकर और विधायक रामेश्वर शर्मा ने यात्रा को किया संबोधित

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश उत्साह और उमंग से सराबोर है। दुनिया भारत को सामर्थ्यशाली और शक्तिशाली देश के रूप में देख रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में नभ, जल और थल हर जगह तिरंगा शान से लहरा रहा है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक और सबसे युवा देश है। आजादी के अमृतकाल तक भारत विश्व का सर्वश्रेष्ठ देश बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर कोलार रोड क्षेत्र में कर्मश्री संस्था द्वारा निकाली गई विशाल तिरंगा यात्रा की सराहना की। उन्होंने कहा कि यात्रा में युवाओं और स्थानीयजन की उपस्थिति देखकर मन उत्साह और उमंग से भर गया। युवाओं के जोश के बलबूते यह तिरंगा यात्रा देश की सबसे बड़ी तिरंगा यात्राओं में शामिल हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यात्रा में शामिल युवाओं और सभी प्रतिभागियों से राष्ट्रध्वज की गरिमा को अक्षुण्ण रखने के लिए राष्ट्रध्वज से संबंधित नियमों और निर्धारित मर्यादा का पालन करने का आहवान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर कोलार रोड क्षेत्र में कर्मश्री संस्था द्वारा आयोजित तिरंगा यात्रा को मदर टेरेसा स्कूल से झंडी दिखाई और खुली जीप पर सवार होकर तिरंगा यात्रा का नेतृत्व किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने तिरंगा यात्रा आरंभ होने से पहले मदर टेरेसा स्कूल पर यात्रा को संबोधित भी किया। इस अवसर पर पूर्व प्रोटेम स्पीकर तथा विधायक रामेश्वर शर्मा उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने तिरंगा यात्रियों के साथ ली सेल्फी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं को देश की एकता, अखंता और संप्रभुता के प्रति समर्पित भाव रखने के लिए प्रेरित किया। मध्यप्रदेश प्रधानमंत्री श्री मोदी के संकल्प के साथ कंधे से कंधा मिलाकर गरीब, किसान, युवा और नारी सहित सभी वर्गों की चिंता करते हुए आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश भौगोलिक रूप से देश का दूसरा बड़ा और युवा शक्ति के संदर्भ में देश का अग्रणी राज्य है। वर्ष 2025 को प्रदेश में औद्योगिक निवेश वर्ष के रूप में मनाया गया। वर्तमान में किसान कल्याण वर्ष के अंतर्गत किसानों की बेहतरी के लिए कार्य जारी है। प्रदेश में वर्ष 2027 को युवावर्ष के रूप में मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व प्रोटेम स्पीकर और विधायक रामेश्वर शर्मा सहित कर्मश्री संस्था के सभी आयोजकों को विशाल तिरंगा यात्रा के आयोजन की बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने तिरंगा यात्रा के सहभागियों के साथ सेल्फी ली, स्कूली बच्चों का अभिवादन स्वीकार कर उनका उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में युवाओं का सैलाब उमड़ पड़ा और कोलार रोड तिरंगामय हो गया।

पूर्व प्रोटेम स्पीकर तथा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि हम तिरंगे और वंदे मातरम् का विस्तार करते हुए अखंड भारत के स्वप्न को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने युवाओं से राष्ट्रीय ध्वज, लोकतांत्रिक भावना और संविधान में दिए गए मूल्यों के प्रति समर्पित भाव रखने का आह्वान किया। श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश में नशे से दूरी है जरूरी अभियान व्यापक स्तर पर संचालित किया जा रहा है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील की।

भोपाल में आवासीय संपत्तियों के व्यावसायिक उपयोग पर शिकंजा, नगर निगम ने हजारों दुकानदारों को थमाया नोटिस

भोपाल, (आरएनएस.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आवासीय संपत्तियों में व्यावसायिक गतिविधियों और अनधिकृत निर्माण के खिलाफ नगर निगम ने कार्रवाई तेज कर दी है। उच्चतम न्यायालय के निर्देश के बाद चल रहे अभियान के तहत निगम ने अब तक 3316 नोटिस जारी किए हैं। वहीं, न्यायालय से स्थगन आदेश प्राप्त संपत्तियों के मामलों की भी समीक्षा की जा रही है।

जानकारी के लिए बता दें कि नगर निगम ने स्थगन आदेश वाले 144 मामलों की सूची तैयार की है। इन मामलों में न्यायालयीन आदेशों का परीक्षण करने के बाद जहां कार्रवाई की संभावना होगी, वहां स्थगन हटाने के लिए उच्च न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किए जाएंगे। इसके बाद 100 से अधिक संपत्तियों में तोड़फोड़ की कार्रवाई की जा सकती है। आवासीय संपत्तियों में व्यावसायिक गतिविधियां संचालित करने वाले मामलों में नोटिस जारी करने के साथ एक हजार से अधिक संपत्तियों को सील करने की कार्रवाई भी प्रस्तावित है। नगर निगम की इस सख्ती से उन क्षेत्रों के कारोबारियों में चिंता बढ़ गई है, जहां आवासीय भवनों में दुकानें और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही हैं। अवधपुरी, अयोध्या बायपास, गौतम नगर, अशोका गार्डन और लालघाटी सहित कई क्षेत्रों में नोटिस मिलने के बाद कारोबारी वैकल्पिक व्यावसायिक स्थान तलाश रहे हैं।

नगर निगम की टीमें लगातार सर्वे और नोटिस जारी करने की कार्रवाई में जुटी हैं। अभियान के तहत हाल में 1135 नए नोटिस जारी किए गए हैं। इसके साथ ही सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के तहत अब तक जारी नोटिसों की संख्या 3316 हो गई है। इनमें नरेला और हुजूर विधानसभा क्षेत्र प्रमुख रूप से शामिल हैं।

निगम की सर्वे टीमें प्रमुख सड़कों को आधार बनाकर दोनों ओर स्थित संपत्तियों की जांच करेंगी। संबंधित वार्डों के संपत्ति कर अभिलेखों को भी खंगाला जाएगा। इसके माध्यम से संपत्ति के पंजीकृत उपयोग और मौके पर संचालित गतिविधि के बीच अंतर का पता लगाया जाएगा।नगर निगम के अनुसार पांच अगस्त से पहले 1018 नोटिस जारी किए गए थे। इनमें अरेरा कॉलोनी, रोहित नगर और बावड़िया कलां क्षेत्र में सर्वाधिक 429 नोटिस दिए गए थे।

प्रदेश के 4 पुलिस अधिकारियों को राष्ट्रपति विशिष्ट सेवा पदक और 16 को सराहनीय सेवा पदक देने की घोषणा

भारत सरकार द्वारा स्वतंत्रता दिवस-2026 की पूर्व संध्या पर हुई पदकों की घोषणा

भोपाल (ए.)। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर प्रदेश के 4 पुलिस अधिकारियों को राष्ट्रपति विशिष्ट सेवा पदक और 16 को सराहनीय सेवा पदक देने की घोषणा की गई है। इन पुरस्कारों की घोषणा किए जाने पर डीजीपी कैलाश मकवाणा ने पदक से सम्मानित होने वाले सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी है। पदकों का वितरण अगले साल के स्वतंत्रता दिवस समारोह यानी 15 अगस्त 2027 को किया जाएगा।

इन्हें मिलेगा राष्ट्रपति विशिष्ट सेवा पदक

राष्ट्रपति विशिष्ट सेवा पदक पुलिस उप महानिरीक्षक सुनील कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह, निरीक्षक अनिल कुमार भदौरिया तथा आरक्षक राज लोचन प्रसाद दुबेको देने की घोषणा की गई है।

इन्हें मिलेगा सराहनीय सेवा पदक

सराहनीय सेवा पदक पुलिस उप महानिरीक्षक सुश्री सिमाला प्रसाद, पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत, पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भगवानी, निरीक्षक हरनारायण जायसवाल, निरीक्षक विजय चौधरी, निरीक्षक अमित जैन, निरीक्षक श्रीमती अनीता कदम, निरीक्षक श्रीमती रजनी तिवारी,उप निरीक्षक डॉ. संतोष यादव,सहायक उप निरीक्षक दिनेश चंद नागर,सहायक उप निरीक्षक भूपेन्द्र सिंह बैस,प्रधान आरक्षक भास्कर प्रताप सिंह, प्रधान आरक्षक भाग सिंह तोमर,प्रधान आरक्षक सत्य नारायण यादव,आरक्षक संतोष कुमार नायकतथाआरक्षक संतोष कुमार परिहार को दिया जाएगा।

जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध ही सुशासन की पहचान : मंत्री श्री परमार

देवेन्द्रनगर में नगर परिषद के नवीन भवन का लोकार्पण एवं संस्कृत महाविद्यालय का निरीक्षण

भोपाल (निप्र)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री तथा पन्ना जिले के प्रभारी मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा है कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान, प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन ही सुशासन का मूल उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान के माध्यम से प्रत्येक नागरिक राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना को अभिव्यक्त करे। प्रभारी मंत्री श्री परमार ने शुक्रवार को पन्ना जिले के प्रवास के दौरान देवेन्द्रनगर एवं पहाड़ीखेरा में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों को संबोधित किया।

प्रभारी मंत्री श्री परमार ने देवेन्द्रनगर में आयोजित तिरंगा यात्रा में सहभागिता करते हुए नागरिकों से 'हर घर तिरंगा' अभियान में उत्साहपूर्वक भागीदारी का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि तिरंगा हमारी स्वतंत्रता, एकता, अखंडता, गौरव और स्वाभिमान का प्रतीक है। वर्षा के बीच भी बड़ी संख्या में नागरिकों, विद्यार्थियों और जनप्रतिनिधियों ने हाथों में तिरंगा लेकर नगर के प्रमुख मार्गों से यात्रा निकाली। देशभक्ति गीतों और बैंड की धुनों के बीच निकली यात्रा ने राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान का संदेश दिया। प्रभारी मंत्री श्री परमार ने देवेन्द्रनगर में 87 लाख 38 हजार रूपये की लागत से नवनिर्मित नगर परिषद कार्यालय भवन का विधिवत पूजन-अर्चन कर लोकार्पण किया।

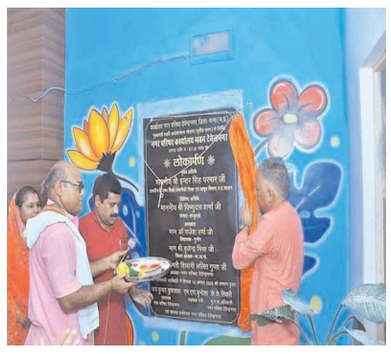

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शौर्य स्मारक से पुलिस बाइकर तिरंगा यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया।

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग ने नया तकनीकी अध्याय रचा

भोपाल (ए)। देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड (MPPGCL) ने तकनीकी प्रशिक्षण और मानव संसाधन विकास के क्षेत्र में बड़ी छलांग लगाते हुए अपना अत्याधुनिक मल्टीफंक्शनल पावर प्लांट सिम्युलेटर अनावरित किया। नयागांव, जबलपुर स्थित कंपनी के प्रशिक्षण संस्थान में स्थापित यह सॉफ्टवेयर आधारित पावर प्लांट सिम्युलेटर अपनी श्रेणी के बड़े और अत्याधुनिक सिम्युलेटरों में शामिल है। इसकी मदद से इंजीनियर अब वास्तविक विद्युत गृहों के नियंत्रण कक्ष जैसी परिस्थितियों में प्रशिक्षण ले सकेंगे और संचालन से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णयों का अभ्यास कर सकेंगे। कंपनी में न केवल सिम्युलेटर का लोकार्पण हुआ, बल्कि प्रशिक्षण संस्थान में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित 150 सीटर 'MANTRA' ऑडिटोरियम का भी शुभारंभ किया गया। स्मार्ट तकनीक और नवीनतम सुविधाओं से लैस यह ऑडिटोरियम प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, तकनीकी सत्रों, सम्मेलनों और अन्य आयोजनों के लिए एक आधुनिक मंच उपलब्ध कराएगा।

भोपाल रेलवे स्टेशन पर पकड़ाया 6.325 KG मेथामफेटामाइनः नई दिल्ली से बेंगलुरू जा रही महिला ने ट्रॉली बैग में छिपा रखा था

भोपाल (ए)। भोपाल रेलवे स्टेशन पर एक महिला यात्री के ट्रॉली बैग से 6.325 किलो मेथामफेटामाइन बरामद किया है। ड्रग को बैग में बेहद शातिर तरीके से बनाई गई गुप्त कैविटी में छिपाकर रखा गया था।महिला नई दिल्ली से बेंगलुरू जा रही थी। राजस्व खुफिया निदेशालय (DRI) की टीम ने 11 अगस्त को रेलवे स्टेशन पर कार्रवाई करते हुए महिला को गिरफ्तार किया। जब्त मेथामफेटामाइन की अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में कीमत करोड़ों रुपए है। यह कार्रवाई 'ऑपरेशन क्रिस्टल डैगर' के तहत की गई। DRI अधिकारियों को विशेष सूचना मिली थी कि एक ड्रग तस्कर महिला ट्रेन से सामान में बड़ी मात्रा में नशीला पदार्थ छिपाकर ले जाने की जानकारी थी। सूचना के आधार पर DRI की टीम ने भोपाल जंक्शन पर निगरानी शुरू की और संदिग्ध महिला को ट्रेन में ही चिन्हित कर लिया। महिला के पास मौजूद काले रंग के ट्रॉली बैग की जब गहन

तलाशी ली गई तो उसमें एक गुप्त कैविटी मिली। इस कैविटी को इस तरह बनाया गया था कि सामान्य तलाशी में उसमें छिपाया सामान आसानी से नजर नहीं आए। गुप्त जगह के अंदर छह प्लास्टिक पैकेट मिले। सभी पैकेटों को भूरे रंग की टेप से अच्छी तरह लपेटा गया था। पैकेट खोलने पर उसमें सफेद रंग का क्रिस्टलीय पदार्थ मिला। DRI अधिकारियों ने मौके पर NDPS फील्ड टेस्टिंग किट से इसकी जांच की। जांच में पदार्थ मेथामफेटामाइन यानी एम्फेटामाइन टाइप पदार्थ पाया गया।तौल करने पर 6 पैकेटों में कुल 6.325 किलो क्रिस्टलीय मेथामफेटामाइन मिला। DRI ने ड्रग को जब्त करते हुए महिला को NDPS एक्ट, 1985 के तहत गिरफ्तार कर लिया। भोपाल में महिला से बरामदगी के बाद DRI ने मामले की कड़ियां जोड़ते हुए ड्रग की सप्लाई से जुड़े लोगों तक पहुंचने के लिए आगे कार्रवाई की।

15 अगस्त की शाम रवींद्र भवन में सांगीतिक कार्यक्रम, भोपाल में कविता कृष्णमूर्ति की आवाज में गूंजेंगे देशभक्ति गीत

भोपाल (ए)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त की शाम भोपाल के रवींद्र भवन परिसर स्थित हंसध्वनि सभागार में 'आजादी का महापर्व' कार्यक्रम आयोजित होगा। संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन के स्वराज संस्थान संचालनालय की ओर से आयोजित कार्यक्रम शाम 6:30 बजे शुरू होगा। इसमें पार्श्व गायिका कविता कृष्णमूर्ति और उनके साथी कलाकार देशभक्ति और फिल्मी गीतों की प्रस्तुति देंगे।

देशभक्ति और फिल्मी गीतों की प्रस्तुति

कार्यक्रम में कविता कृष्णमूर्ति फिल्म 'कर्मा' का प्रसिद्ध देशभक्ति गीत 'दिल दिया है जां भी देंगे, ऐ वतन तेरे लिए' प्रस्तुत करेंगी। इसके अलावा 'तुमसे मिलकर न जाने क्यों', 'हवा हवाई', 'आज मैं ऊपर', 'मेरा पिया घर आया', 'प्यार हुआ चुपके से', 'ऐ दिल लाया है बहार' और 'डोला रे डोला' जैसे लोकप्रिय गीत भी सुनने को मिलेंगे।

20 हजार से ज्यादा गीतों को दी आवाज

कविता कृष्णमूर्ति तीन दशक से अधिक समय से संगीत के क्षेत्र में सक्रिय हैं। उन्होंने हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़, उड़िया और मराठी समेत कई भारतीय भाषाओं में 20 हजार से अधिक गीतों को अपनी आवाज दी है। उन्होंने नौशाद, आरडी बर्मन, लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल, एआर रहमान, बप्पी लहिरी, अनु मलिक और शंकर-एहसान-लॉय समेत कई दिग्गज संगीतकारों के निर्देशन में गीत गाए हैं।

पद्मश्री समेत कई पुरस्कार से हो चुकी हैं सम्मानित

संगीत के क्षेत्र में योगदान के लिए कविता कृष्णमूर्ति को वर्ष 2005 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। उन्हें सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका के लिए चार बार फिल्मफेयर पुरस्कार मिल चुका है। इसके अलावा उन्हें स्टार स्क्रीन अवॉर्ड, जी सिने अवॉर्ड और आईफा अवॉर्ड भी मिल चुके हैं।

भोपाल में करंट से पिता-पुत्र की मौत

खेत में दवा का छिड़काव करते समय हुआ हादसा, बेटे को बचाने पहुंचे पिता भी चपेट में आए

भोपाल (ए)। भोपाल के बिलखिरिया थाना क्षेत्र में गुरुवार रात खेत में काम करते समय करंट लगने से पिता-पुत्र की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ, जब 18 वर्षीय आशीष खेत में दवा का छिड़काव कर रहा था। इसी दौरान वह वहां खुले पड़े बिजली के तार की चपेट में आ गया। बेटे को बचाने पहुंचे पिता ब्रजमोहन (44) भी करंट की चपेट में आ गए। रातभर उनके शव खेत में ही पड़े रहे। शुक्रवार सुबह जब परिजन खेत पहुंचे तो पिता-पुत्र को मृत हालत में देखकर उनके होश उड़ गए। उन्होंने तत्काल बिलखिरिया पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के मुगालिया हाट शिविर में 30 ग्राम पंचायतों के नागरिक हुए लाभान्वित

संभागायुक्त श्री शर्मा ग्रामीण बेटियों की उच्च शिक्षा और सशक्तिकरण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता, कलेक्टर श्री मिश्रा ई-बस से मुगालिया हाट पहुँचे वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी, दिया हरित ऊर्जा का संदेश

भोपाल (ए)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार संचालित 'मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान' के अंतर्गत शुक्रवार को बैरसिया विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत मुगालिया हाट में द्वितीय वृहद जनकल्याण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में फंदा विकासखंड की 30 ग्राम पंचायतों के हजारों नागरिकों ने सहभागिता की। ग्रामीणों ने विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने के साथ अपनी समस्याओं और मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। शिविर में शामिल होने के लिए संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा, कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, डीआईजी देहात राजेश सिंह चंदेल, एसपी देहात पंकज पांडे और जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती इला तिवारी भोपाल कलेक्ट्रेट से ई-बस द्वारा मुगालिया हाट पहुँचे। अधिकारियों ने पर्यावरण संरक्षण और हरित ऊर्जा अपनाने का संदेश दिया। शिविर से पहले अधिकारियों ने मुगालिया हाट स्थित शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय, सक्षम आंगनवाड़ी केंद्र, दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति और शासकीय उचित मूल्य दुकान का संयुक्त निरीक्षण किया। इस दौरान शाला परिसर की स्वच्छता, मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता, आंगनवाड़ी में पोषण व्यवस्था, दुग्ध संकलन तथा राशन वितरण की स्थिति का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने क्षेत्र में संचालित नल-जल योजनाओं और पेयजल आपूर्ति की प्रगति की भी समीक्षा की तथा सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए।

अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे योजनाओं का लाभ : विधायक श्री खत्री

विधायक विष्णु खत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान जनता से सीधा संवाद, समस्याओं का मौके पर समाधान की अवधारणा को साकार कर रहा है। जनविश्वास अभियान का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का मौके पर त्वरित निराकरण करने के साथ शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना है।उन्होंने कहा कि बैरसिया क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों के अधोसंरचनात्मक सुदृढ़ीकरण एवं उन्नयन के साथ कॉलेज की सुलभ उपलब्धता सुनिश्चित करना प्राथमिकता है। उन्होंने आचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र में पुलिस चौकी की स्थापना संबंधी मुख्यमंत्री डॉ. यादव की घोषणा के शीघ्र क्रियान्वयन तथा सोलर प्लांट और नल-जल योजना से क्षेत्र में आए सकारात्मक बदलावों का भी उल्लेख किया।

शासकीय विद्यालयों में बनेंगे रीडिंग रूम

संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन और लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत आने वाली सेवाओं एवं प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण अनिवार्य है। इसकी नियमित निगरानी की जाएगी। उन्होंने ग्रामीण बालिकाओं की बढ़ती सहभागिता की सराहना करते हुए अभिभावकों से बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'G YA N' विजन के अंतर्गत मेधावी विद्यार्थियों से संवाद के दौरान कक्षा 12वीं में 92.4 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली छात्रा खुशबू ने अध्ययन स्थल की आवश्यकता बताई।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

नर्मदापुरम विशेष

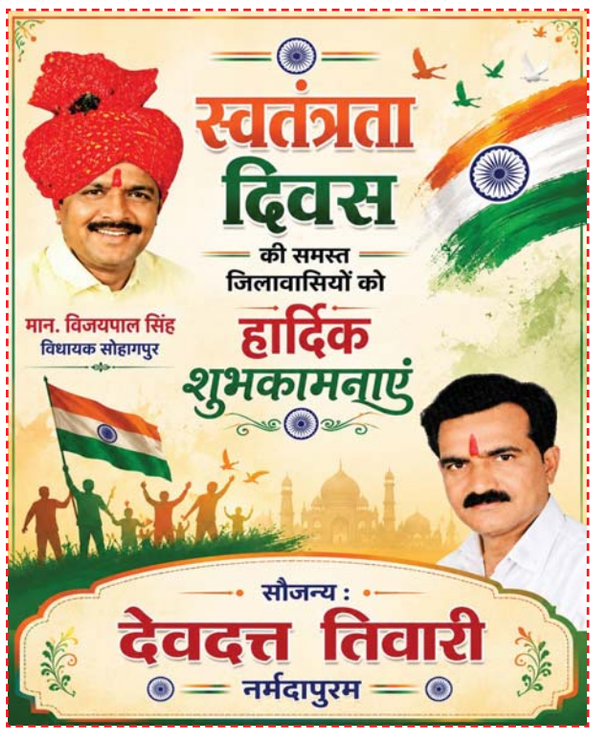

स्वतंत्रता दिवस की समस्त जिलावासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
मान. विजयपाल सिंह
विधायक सोहागपुर
सौजन्य :
देवदत्त तिवारी
नर्मदापुरम

स्वतंत्रता दिवस की सभी जिले वासियों को हार्दिक शुभकामनायें
रवि दुबे
संभागीय अध्यक्ष
लघुवेतन कर्मचारी संघ नर्मदापुरम

नर्मदा ट्रेवल्स (शिवहरे बस सर्विस)
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक हार्दिक शुभकामनाए
शादी, पार्टी पिकनि , ट, तीर्थ यात्रा, स्टॉफ बस, स्कूल बस, फैक्ट्री बस एवं सभी दिशा की बस बुकिंग के लिऐ संपर्क करें
यात्री बसों में सीट बुकिंग हेतु मार्ग :- नसरूल्लागंज, भोपाल, छिंदवाड़ा, नागपुर, पांडौरना, अकोला, अमरावती, बैतुल, मुलताई, हरदा, सिराली, महेन्द्रगांव, शिवपुर, सारणी, पिपरिया, जुन्नारदेव, रामपुर, इंदौर, मनावर, हंडियॉ, नेमावर, खण्डवा, सिरोंज, बैरसिया
सौजन्य :- श्री संजय शिवहरे जी-प्रफुल शिवहरे, नर्मदापुरम (म.प्र.) मो.न.7898722348

मेरा भारत महान
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक हार्दिक शुभकामनाएं
कृषि विभाग नर्मदापुरम

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक हार्दिक शुभकामनाएं
जिला रोजगार अधिकारी नर्मदापुरम (म.प्र.)

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएं
जय हिन्द जय भारत
जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नर्मदापुरम

स्वतंत्रता दिवस की सभी क्षेत्रवासियों की हार्दिक शुभकामनाएं
कार्यालय ई रजिस्ट्री
सर्विस प्रोवाईडर, ई-पंजीयन से संबंधित समस्त कार्य किये जाते हैं
बिक्रीपत्र, वसीयतनामा, इकरारनामा, गोदनामा एवं ई स्टाम्प आदि कार्य किये जाते है
प्रो. धनराज यादव मो. 9755282432
कलेक्ट्रेट गेट के पास यस फोटो कॉपी जनपद पंचायत परिसर, कोठी बाजार नर्मदापुरम

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक हार्दिक शुभकामनाएं
Vardhman
वर्धमान फेब्रिक्स
पता: पीलीकसर, बुधनी, जिला सीहोर म.प्र.

राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकमानाएं
--बिन सहकार नहीं उद्धार--
प्रशासक बीके शर्मा
प्रबंधक करतार सिंह
सेवा सहकारी समिति सेमरीखुर्द, जिला नर्मदापुरम

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक हार्दिक शुभकामनाएं
वृहताकार सेवा सहकारी समिति सांवलखेड़ा जिला नर्मदापुरम
सुरेश वर्मा
सहकारी समिति जिला नर्मदापुरम

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएं
जय हिन्द जय भारत
लोक निर्माण विभाग परिवार, नर्मदापुरम

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
जय हिन्द
सुशील दीवान
रंजना गैस एजेंसी एन एच 69 रसूलिया, नर्मदापुरम म.प्र.

--बिन सहकार नहीं उद्धार--
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
दुर्गेश गौर
समिति प्रबंधक
सेवा सहकारी समिति गुनौरा जिला नर्मदापुरम

राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक-हार्दिक बधाई
जय हिन्द जय भारत
वन मंडल अधिकारी
अधिकारी-कर्मचारी वन विभाग जिला नर्मदापुरम

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
प्राचार्य-शासकीय कन्या शाला जुमेराती, नर्मदापुरम्

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
जय हिन्द
प्राचार्य पॉलिटेक्निक कालेज, इटारसी

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक हार्दिक शुभकामनाएं
हाजी इलाही बख्श एण्ड संस
दुकान नं.36, 37, 38, 39, 40 अलीम राईन, अमिन राईन, शाहिद राईन,अविद राईन, आशिफ राईन, हाशू राईन
सब्जी मंडी नर्मदापुरम

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक - हार्दिक शुभकामनायें
कार्यालय सहायक कृषि यंत्री पंवारखेड़ा, जिला नर्मदापुरम्

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
युसुफ अली एंड संस
(मुल्लाजी पेट्राल पंप)
प्रायवेट बस स्टैंड के सामने नर्मदापुरम

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनायें
जय हिन्द
शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, नर्मदापुरम

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक हार्दिक शुभकामनाएं
जिला परिवहन अधिकारी नर्मदापुरम (म.प्र.)

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक - हार्दिक शुभकामनायें
बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ
बेटी है तो कल है, नर्मदा है तो जल है।
जिला प्रशासन (महिला एवं बाल विकास) नर्मदापुरम

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
वन्दे मातरम्
प्राचार्य-शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एस.पी.एम. नर्मदापुरम्

म.प्र.डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन
जिला समिति नर्मदापुरम
की ओर से सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
राजीव पाठक (अध्यक्ष)
तरुण डिगरसे सचिव
आनंद कुलश्रेष्ठ कोषाध्यक्ष

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

शान से विदाई

भारत के पदकों में सबसे ज्यादा योगदान एथलेटिक्स एवं पैरा-एथलेटिक्स का रहा, जिसमें 16 मेडल हासिल हुए। मगर, भारत की शान बढ़ाने का सबसे ज्यादा श्रेय बॉक्सरों को है, जिन्होंने सात स्वर्ण सहित 10 पदक जीते। कॉमनवेल्थ गेम्स से भारतीय दल ने शान से विदाई ली है। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में 11 दिन के इस आयोजन के आरंभिक दिनों में पदक तालिका में पिछड़े रहने के कारण भारत में मायूसी छायी रही, लेकिन अंतिम दो दिनों में भारतीय खिलाड़ियों ने कहानी पलट दी। आखिरकार 13 स्वर्ण, 17 रजत, और 9 कांस्य पदकों सहित कुल 39 मेडल्स के साथ भारत चौथे नंबर आ पहुंचा। अधिक खुशी की बात यह है कि भारत के पदकों में सबसे ज्यादा योगदान एथलेटिक्स एवं पैरा-एथलेटिक्स का रहा, जिसमें तीन स्वर्ण सहित 16 मेडल हासिल हुए। मगर, भारत की शान बढ़ाने का सबसे ज्यादा श्रेय बॉक्सरों को है, जिन्होंने सात स्वर्ण सहित 10 पदक जीते।

इस सिलसिले में इस उल्लेख से नहीं बचा जा सकता कि सात स्वर्ण पदक विजेता बॉक्सरों में से पांच सिर्फ एक शहर यानी हरियाणा के भिवानी से आते हैं। उनमें भी चार महिला बॉक्सर हैं। इस सफलता को बेशक वहां बने खेल ढांचे और भिवाणी बॉक्सिंग क्लब के प्रमुख जगदीश सिंह की मेहनत का परिणाम माना जाएगा। इस बार कॉमनवेल्थ गेम्स में निशानेबाजी, कुश्ती, टेबल टेनिस और बैडमिंटन जैसे कई ऐसे खेल शामिल नहीं हुए, जिनमें भारत की मजबूत उपस्थिति रहती है। दरअसल, यह आयोजन ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया राज्य में होना था, जिसने ऐन वक्त पर कदम वापस खींच लिए। तब ग्लासगो में एक तरह से इसके आयोजन की रस्म-अदायगी की गई। इसलिए इस बार के गेम्स को ज्यादा वजन भी नहीं दिया गया है।

वैसे भी कॉमनवेल्थ गेम्स ओलिंपिक्स कैलेंडर का हिस्सा नहीं हैं, जिससे उन्हें ओलिंपिक्स या एशियाड जैसा महत्त्व नहीं दिया जाता। ब्रिटेन का रुतबा घटने के साथ-साथ कॉमनवेल्थ भी हाशिये पर पहुंच गया है। ऐसे में देश और खिलाड़ी इन खेलों को एक तरह से बड़े परिदृश्य के पूर्वाभ्यास के रूप में लेते हैं। इसे ध्यान में रखें, तो अगले 19 सितंबर से जापान के नागोया में होने जा रहे एशियन गेम्स के मद्देनजर ग्लासगो में भारतीय दल के प्रदर्शन को आशाजनक माना जाएगा। एशियाड में अधिक कड़ी प्रतिस्पर्धा में भी क्या देश की आशाओं पर भारतीय खिलाड़ी खरे उतरेंगे, इसे देखने पर सबकी नजरें रहेंगी।

स्वतंत्रता से विकसित भारत की ओर

अवनीश कुमार गुप्ता

15 अगस्त भारत के इतिहास का वह स्वर्णिम दिवस है जिसने करोड़ों भारतीयों को स्वतंत्रता का अमूल्य उपहार दिया। यह केवल राष्ट्रीय ध्वज फहराने और देशभक्ति के गीत गाने का अवसर नहीं, बल्कि आत्ममंथन, कर्तव्यबोध और भविष्य के संकल्प का भी दिन है। स्वतंत्रता हमें सहज रूप से प्राप्त नहीं हुई; इसके पीछे असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों का त्याग, संघर्ष और बलिदान निहित है। इसलिए प्रत्येक स्वतंत्रता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि आज़ादी केवल अधिकार नहीं, बल्कि एक सतत जिम्मेदारी भी है। वर्ष 2026 का स्वतंत्रता दिवस विशेष महत्व रखता है क्योंकि भारत विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है और स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 की तैयारी कर रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सामरिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में भारत की स्थिति लगातार मजबूत हुई है। डिजिटल भुगतान प्रणाली, स्टार्टअप संस्कृति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष अनुसंधान, रक्षा निर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा और आधारभूत संरचना के विकास ने भारत को वैश्विक मंच पर नई पहचान प्रदान की है। आज भारतीय नवाचार विश्व के अनेक देशों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रहे हैं। डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, ऑनलाइन सेवाओं और तकनीकी नवाचारों ने शासन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। करोड़ों युवा देश के वर्तमान और भविष्य दोनों हैं। यदि उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक कौशल, अनुसंधान के अवसर और सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध होंगे तो भारत विश्व का सबसे सक्षम ज्ञान-आधारित राष्ट्र बन सकता है। नई शिक्षा नीति ने बहुआयामी शिक्षा, कौशल विकास और नवाचार पर बल दिया है, लेकिन विद्यालयों की गुणवत्ता, उच्च शिक्षा में अनुसंधान, डिजिटल संसाधनों की समान उपलब्धता तथा उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण अभी भी व्यापक सुधार की अपेक्षा रखते हैं। शिक्षा केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक तैयार करने की प्रक्रिया भी है।

रोजगार और उद्यमिता आज भारत की सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं में हैं। सरकारी और निजी क्षेत्र के साथ-साथ सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग, स्टार्टअप, कृषि आधारित उद्योग तथा डिजिटल अर्थव्यवस्था रोजगार सृजन के नए अवसर प्रदान कर रहे हैं। युवाओं

को नौकरी खोजने के साथ-साथ रोजगार देने वाला उद्यमी बनने के लिए भी प्रोत्साहित करना आवश्यक है। कौशल विकास, तकनीकी प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार बनी हुई है। जलवायु परिवर्तन, अनियमित वर्षा, जल संकट, बढ़ती लागत और बाजार की चुनौतियाँ किसानों के सामने नई कठिनाइयाँ उत्पन्न कर रही हैं। आधुनिक कृषि तकनीक, जल संरक्षण, प्राकृतिक खेती, वैज्ञानिक भंडारण, कृषि प्रसंस्करण और डिजिटल कृषि सेवाएँ किसानों की आय बढ़ाने में सहायक हो सकती हैं। खाद्य सुरक्षा के साथ किसानों का आर्थिक सशक्तिकरण विकसित भारत की अनिवार्य शर्त है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में भी निरंतर सुधार की आवश्यकता है। आधुनिक अस्पतालों का विस्तार, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की मजबूती, ग्रामीण क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा की पहुँच, मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विकास तथा चिकित्सा अनुसंधान में निवेश भविष्य की महत्वपूर्ण आवश्यकताएँ हैं। स्वस्थ नागरिक ही उत्पादक समाज और मजबूत राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं। पर्यावरण संरक्षण आज राष्ट्रीय विकास का अभिन्न अंग बन चुका है। बढ़ता तापमान, प्रदूषण, जल संकट, जैव विविधता का क्षरण और प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती घटनाएँ स्पष्ट संकेत देती हैं कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना अनिवार्य है। अक्षय ऊर्जा, हरित परिवहन, वर्षा जल संचयन, वृक्षारोपण और कचरा प्रबंधन जैसे प्रयासों को जनभागीदारी से जोड़ना होगा। प्रकृति की सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। भारत ने रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। आधुनिक तकनीक, स्वदेशी रक्षा उत्पादन, साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष सुरक्षा और समुद्री क्षमता का विस्तार राष्ट्रीय सुरक्षा को नई मजबूती प्रदान कर रहा है। बदलते वैश्विक परिदृश्य में तकनीकी क्षमता और रणनीतिक दूरदृष्टि किसी भी राष्ट्र की शक्ति का महत्वपूर्ण आधार बन चुकी है।भारतीय विज्ञान और अंतरिक्ष अनुसंधान ने विश्व में नई प्रतिष्ठा अर्जित की है। वैज्ञानिकों की उपलब्धियाँ यह सिद्ध करती हैं कि सीमित संसाधनों के बावजूद दृढ़ संकल्प और प्रतिभा से असंभव को संभव बनाया जा सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कंप्यूटिंग, जैव प्रौद्योगिकी, रोबोटिक्स और अंतरिक्ष विज्ञान जैसे क्षेत्र आने वाले वर्षों में भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को और मजबूत करेंगे। अनुसंधान आधारित अर्थव्यवस्था ही भविष्य के भारत की वास्तविक पहचान बनेगी।लोकतंत्र भारत की सबसे बड़ी शक्ति है। संविधान ने प्रत्येक नागरिक को अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का भी बोध कराया है। मतदान करना, कानून का सम्मान करना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, करों का ईमानदारी से भुगतान करना, सामाजिक सौहार्द बनाए रखना और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर विश्वास रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। स्वस्थ लोकतंत्र तभी मजबूत होता है जब नागरिक जागरूक, उत्तरदायी और तथ्य आधारित निर्णय लेने वाले हों।

महिलाओं की बढ़ती भागीदारी भारत के विकास की सकारात्मक तस्वीर प्रस्तुत करती है। शिक्षा, विज्ञान, सेना, न्यायपालिका, प्रशासन, खेल, राजनीति और उद्यमिता जैसे प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं ने अपनी क्षमता सिद्ध की है। समान अवसर, सुरक्षित वातावरण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आर्थिक स्वावलंबन महिलाओं के सशक्तिकरण की आधारशिला हैं। जब समाज की आधी आबादी समान रूप से विकास में सहभागी बनेगी, तभी राष्ट्र की प्रगति संतुलित और स्थायी होगी।

भारत की सांस्कृतिक विविधता उसकी सबसे बड़ी पहचान है। विभिन्न भाषाएँ, परंपराएँ, कला, साहित्य, संगीत और लोक संस्कृति भारतीय सभ्यता को विशिष्ट बनाते हैं। आधुनिकता और वैश्वीकरण के इस युग में अपनी सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण करते हुए वैज्ञानिक सोच और नवाचार को अपनाना ही संतुलित विकास का मार्ग है। विविधता में एकता भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है।

पाठकों में फिर से रुचि जगानाः किताबों को फिर से बैठक कक्ष में जगह देना

सु अर्चना शर्मा अवस्थी और युवराज मलिक

भारत में शिक्षा पर चर्चा लंबे समय से पहुँच पर केंद्रित रही है - यानि स्कूलों तक, किताबों तक, डिजिटल संसाधनों तक पहुँच। ये चीजें बहुत जरूरी हैं, लेकिन जब हम भारतीय शिक्षा के एक नए चरण की दहलीज पर खड़े हैं, तो हमारे सामने एक और इतना ही जरूरी सवाल है:

क्या हम ऐसी पीढ़ी तैयार कर रहे हैं, जो पढ़ती है?

यह ऐसा सवाल है - जो सुनने में तो आसान लगता है, लेकिन इसके निहितार्थ गहरे हैं - जिसने राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय (आरईपी) या राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय की शुरुआत की। इस प्लेटफ़ॉर्म की परिकल्पना केवल एक डिजिटल संग्रहालय के रूप में नहीं, बल्कि घर, स्कूल और समुदाय के स्तर पर भारत की पढ़ने की संस्कृति को समृद्ध करने के जीवंत प्रयास के रूप में की गयी थी।

आज, आरईपी में 23 भाषाओं में 7,000 से ज्यादा चयनित किताबें मौजूद हैं, जो सैकड़ों प्रकाशकों के साथ साझेदारी में विकसित की गई हैं और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विज़न के अनुरूप हैं। लेकिन इसका उद्देश्य कभी भी एक ऐसा संग्रह बनाना नहीं था, जो लगातार बढ़ता ही जाए। इसके पीछे एक सोच-समझकर अपनाया गया तरीका है: एक ऐसा संग्रह बनाए रखना, जो चयनित, प्रासंगिक और जीवंत हो - जिसे लगातार अद्यतन किया जाता है, जिसमें महत्वपूर्ण किताबें जोड़ी जाती हैं और अप्रासंगिक किताबों को हटाया जाता है। पैमाना मायने रखता है, लेकिन प्रासंगिकता, गुणवत्ता और लगातार जुड़ाव अधिक महत्वपूर्ण हैं।

बाधाओं को दूर करना, आदतों का प्रतिस्थापन नहीं

भारत के कई बच्चों के लिए - खासकर ग्रामीण, अर्ध-शहरी और पिछड़े क्षेत्रों में - पाठ्यपुस्तकों के अलावा अन्य किताबों तक पहुंच एक बड़ी चुनौती है। सबसे नज़दीकी किताब की दुकान कई किलोमीटर दूर हो सकती है। स्कूल के पुस्तकालय में या तो किताबें पुरानी होती हैं या स्कूल अवधि के बाद उपलब्ध नहीं होती हैं। इन बच्चों के पास कल्पना तो है, लेकिन पठन-सामग्री मौजूद नहीं है।

राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय इस कमी को पूरा करता है: एक बच्चा, चाहे वह कहीं भी रहता हो या उसके परिवार का आय स्तर कुछ भी हो, अब अपने घर में पहले से मौजूद उपकरण के जरिए हजारों किताबों के पुस्तकालय तक पहुँच सकता है। बच्चे कभी भी और कहीं भी इन किताबों को पढ़ सकते हैं। यह हिंदी और अंग्रेज़ी के अलावा अन्य भाषाओं में किताबों पढ़ने का भी अवसर देता है।

लेकिन यह समझना भी उतना ही ज़रूरी है कि यह पहल असल में क्या नहीं है।

यह छोटे बच्चों को ज्यादा समय तक स्क्रीन के सामने बिठाने का प्रयास नहीं है। यह परिवारों के लिए एक आमंत्रण है कि वे अपने पास मौजूद उपकरणों का अधिक सार्थक उपयोग करें - उस समय को साझा और समृद्ध अनुभव में बदलें, जो अन्यथा निष्क्रिय होकर, अकेले बैठकर या हानिकारक स्क्रॉलिंग या चीजें देखने में बीत जाता है।

माता-पिता का छोटे बच्चे को ज़ोर से पढ़कर सुनाना।

बड़े भाई/बहन का कहानी सुनाना।

परिवार का साथ बैठकर पढ़ने के लिए समय निकालना।

ऐसे समय में जब स्क्रीन अक्सर लोगों को एक-दूसरे से दूर करके अपने में ही उलझाए रखती है, किताबें - जिन्हें इन्हीं उपकरणों के ज़रिए पढ़ा जा सकता है - लोगों को फिर से एक साथ लाने की ताकत रखती हैं।

पढ़ने को स्क्रीन टाइम नहीं, बल्कि पारिवारिक समय बनाना।

राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय का उद्देश्य प्लेटफॉर्म के आयामों से कहीं अधिक गहरा है: इसका मकसद पढ़ने की आदत को फिर से घर के बैठक कक्ष में लाना है।

पढ़ना सिर्फ एक शैक्षणिक गतिविधि नहीं है। यह एक सामाजिक और भावनात्मक गतिविधि भी है। जब परिवार के सदस्य या दोस्त साथ में पढ़ते हैं, तो वे बातचीत, सहानुभूति और सोचने-समझने के लिए जगह बनाते हैं - यह साथ मिलकर ध्यान देने का एक ऐसा गुण है, जो ऐप-सूचना और रोज़मर्रा की ज़रूरतों में बंटी ज़िंदगी में अब कम ही देखने को मिलता है। इस बारे में हुए अध्ययन लगातार बताते हैं कि जिन बच्चों को पढ़कर सुनाया जाता है और जो अपने आस-पास बड़ों को पढ़ते हुए देखते हैं, उनमें न सिर्फ़ पढ़ने-लिखने की बेहतर समझ विकसित होती है, बल्कि उनकी अंदरूनी दुनिया भी ज़्यादा समृद्ध होती है। आरईपी अंतरपीढ़ी सहयोग की संभावनाएं भी खोलता है। युवा पाठक अपने दादा-दादी या नाना-नानी को पढ़कर सुना सकते हैं। किशोर अपने बड़ों की पसंदीदा कहानियों को पढ़ सकते हैं। ऐसा करने पर, पढ़ना सिर्फ़ अकेले में किया जाने वाला या मजबूरी का काम नहीं रह जाता, बल्कि कुछ और ही बन जाता है - इसे मेरा समय' के साथ-साथ हमारा समय भी कहा जा सकता है।

ऐसा करने पर, पढ़ना सिर्फ़ अकेले में किया जाने वाला या मजबूरी का काम नहीं रह जाता, बल्कि कुछ और ही बन जाता है - इसे मेरा समय' के साथ-साथ हमारा समय भी कहा जा सकता है।

एक समाज के रूप में, हमें अपने आप से एक आसान, लेकिन गहन सवाल पूछना चाहिए: क्या हम स्क्रीन के निष्क्रिय उपयोग का एक हिस्सा वापस ले सकते हैं और उसे उपयोगी पढ़ाई में बदल सकते हैं? हमारा मानना है कि जवाब हाँ है - यदि हम किताबें उपलब्ध कराएं, उन्हें आकर्षक बनाएं और पढ़ाई को बोझ नहीं, बल्कि अपनी पसंद का काम बनाएं।

शिक्षकों के साथ काम करना: अगला चरण

राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय अपने अगले चरण में प्रवेश कर रहा है, लेकिन शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका को कम करके नहीं आंका जा सकता। शिक्षक, पुस्तकालयाध्यक्ष और स्कूल के अग्रणी सिर्फ़ सीखने-सिखाने में मदद करने वाले नहीं होते, बल्कि वे संस्कृति को आकार देने वाले भी होते हैं। पढ़ने की जो आदतें बच्चे स्कूल में विकसित करते हैं, वे अक्सर जीवन भर उनके साथ रहती हैं। पुस्तकालयाध्यक्ष द्वारा सुझाई गई किताबें एक युवा व्यक्ति की सोच का दिशा बदल सकती हैं। स्कूल जीवन में आरईपी के अर्थपूर्ण समावेश के लिए कई स्तरों पर सोच-समझकर कोशिशें करनी होंगी:पुस्तकालय-कक्षाओं को केवल निगरानी वाले अध्ययन कक्ष के बजाय, सक्रिय ज्ञान-प्राप्ति स्थान के रूप में पुनर्जीवित करना, निर्देश के अनुसार पढ़ने और कहानी सुनाने वाले सत्रों को प्रोत्साहित करना, जहां शिक्षक अपनी पसंदीदा किताबें साझा करें सहपाठियों के नेतृत्व में किताब पर चर्चा और पठन-समूह बनाना, जिससे पढ़ने की आदत पर छात्रों को अपना अधिकार महसूस हो पढ़ाई को स्कूल जीवन की दैनिक दिनचर्या में शामिल करना, ताकि यह सुबह की सभा जितना ही स्वाभाविक लगे

हरियाली तीजः शिव-पार्वती के प्रेम, सौभाग्य और सावन की हरियाली का महापर्व

उदय कुमार सिंह

सावन का महीना आते ही प्रकृति का रूप बदल जाता है। बारिश की बूंदों से धुली धरती हरियाली की चादर ओढ़ लेती है। पेड़ों की डालियों पर झूले पड़ते हैं, हाथों में मेहंदी सजती है और लोकगीतों की मधुर धुन वातावरण में सावन की उमंग घोल देती है। इसी उल्लास और आस्था के बीच आने वाला हरियाली तीज भारतीय संस्कृति में विशेष स्थान रखता है। यह पर्व केवल व्रत और पूजा तक सीमित नहीं है बल्कि प्रेम, दांपत्य जीवन, नारी सौंदर्य, पारिवारिक सुख-समृद्धि और प्रकृति के नवश्रृंगार का उत्सव भी है।हरियाली तीज सावन मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाई जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इसी दिन भगवान शिव ने माता पार्वती की कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर उन्हें अपनी अर्धांगिनी के रूप में स्वीकार किया था। इसलिए यह पर्व शिव-पार्वती के प्रेम, तपस्या और पुनर्मिलन का प्रतीक माना जाता है।वर्ष 2026 में हरियाली तीज 15 अगस्त, शनिवार को मनाई जाएगी। इस दिन सुहागिन महिलाएं अखंड सौभाग्य, पति की दीर्घायु और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना से व्रत रखती हैं। वहीं, अविवाहित कन्याएं मनचाहे जीवनसाथी की प्राप्ति के लिए शिव-पार्वती की आराधना करती हैं। सावन की हरियाली से जुड़ा है पर्व का नामहरियाली तीज का नाम ही इस पर्व के प्रकृति से गहरे संबंध को दर्शाता है। सावन में वर्षा के बाद चारों ओर हरियाली दिखाई देती है। खेत, पेड़-पौधे और वनस्पतियां नए जीवन से भर उठती हैं। प्रकृति के इसी हरित रूप को तीज के उत्सव से जोड़ा गया है। पारंपरिक रूप से इस अवसर पर महिलाएं हरे रंग के वस्त्र पहनती हैं। हाथों में मेहंदी रचाती हैं और हरी चूड़ियां पहनकर सोलह श्रृंगार करती हैं। घर-परिवार और आसपास के इलाकों में झूले लगाए जाते हैं। नई-नवेली दुल्हनें विशेष रूप से मायके आती हैं और अपनी सखियों के साथ झूला झूलते हुए सावन के गीत गाती हैं।

मेष राशि: मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। आज बच्चों की तरफ से आपको गुड न्यूज़ मिल सकती है। इस राशि के आर्ट्स स्टूडेंट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है, आज आपके मन में नए विचार आयेंगे।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज बिजनेस के सिलसिले में आपकी विदेश यात्रा भी हो सकती है और ये यात्रा आपके लिए लाभदायक रहेगी। आज आपकी नौकरी में प्रमोशन हो सकता है, जिससे ऑफिस में आपकी छवि मजबूत बनेगी। आज किसी करीबी रिश्तेदारों के आने से आपके घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक बना रहेगा। आज आपकी व्यापारिक गतिविधियां सुचारु रूप से चलती रहेंगी लेकिन आप लेन देन करते समय थोड़ी सतर्कता बरतें।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप अपने पिता का काम में हाथ बटायेंगे, जिससे उन्हें खुशी मिलेगी। आज आप बच्चों के लिए घर में अलग अलग तरह की डिशेज बना सकती है।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए उपयोगी बना रहेगा। आज आपके सारे रुके हुए काम पूरे हो जाएंगे। आज दुकानदारों के लिए का दिन अच्छा रहेगा, आज आपकी अच्छी आमदनी होने के योग बन रहें है।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको बिजनेस में बड़ी डील मिल सकती है, जिससे आपके व्यापार में ग्रोथ होगी। आज आपको किसी शुभ समाचार के मिलने का योग नजर आ रहा है। आज पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाने में आप सफल रहेंगे। आज मनोरंजन में पैसे खर्च हो सकते हैं, लेकिन इससे आपको आनन्द की प्राप्ति होगी।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज आपकी नये कार्यों में रुचि बढ़ेगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज आप व्यर्थ के खर्चों को कम करने का प्रयास करें तो आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपको बिजनेस में दुगुना धन लाभ होगा, जिससे आर्थिक पक्ष पहले से अधिक मजबूत रहेगा।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज का दिन के लिए खुशनुमा बना रहेगा। आज आप अपने बड़े बुजुर्ग का आशीर्वाद लेकर नया बिजनेस शुरू करें तो फायदा होना तय है। आज काम कमी अधिकता रहेगी इसलिए आज स्वास्थ्य के प्रति आप थोड़ी सावधानी रखें।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज सभी काम आपके मन के मुताबिक पूरे होंगे, जिससे आपका आत्मविश्वास मजबूत होगा। आज ऑफिस में कुछ सहकर्मी आपके काम को लेकर आपकी तारीफ कर सकते हैं।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहेगा। आज आप खुद को अधिक ऊर्जावान महसूस करेंगे, जिससे आपका मन काम में लगेगा। अगर आज किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं तो वह आज समय से पहले पूरा कर लेंगे, लेकिन आज आपको पहले से योजना बनाकर चलने की जरूरत है।

कुम्भ राशि: कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपको कई दिनों से रुके हुए काम में सफलता मिल सकती है, जिससे मन में प्रसन्नता बनी रहेगी। आज आप किसी भी काम में जल्दबाजी करने से बचें, जिससे आपका काम शांति से हो जाये।

मीन राशि: मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए अनुकूल बना रहेगा। इस राशि के विवाहितों के लिए आज का दिन अच्छा है, आप जीवनसाथी के साथ कहीं बाहर डिनर पर जा सकते हैं।

इस स्वाधीनता दिवस पर हम अपनी संसदीय व्यवस्था पर आत्ममंथन की स्थिति में हैं?

हृदयनारायण दीक्षित

भारतीय स्वतंत्रता की उम्र 79 वर्ष हो गई है। किसी राष्ट्र के लिए स्वाधीनता की 100-200 वर्ष की उम्र भी बहुत नहीं होती। लेकिन भारत के लिए 79 वर्ष का राष्ट्र जीवन बहुत महत्वपूर्ण है। देश स्वतंत्रता की 79वीं वर्षगांठ का राष्ट्रीय उत्सव मना रहा है। उत्सव की बात स्वाभाविक है लेकिन इसी अवसर पर देश को अपनी संवैधानिक संस्थाओं की गतिविधि पर भी ध्यान देना चाहिए। देश ने नवंबर 1949 में अपना संविधान अधिनियमित आत्मारपित किया था। संविधान निर्माण के समुद्र मंथन से एक पवित्र अमृत तत्व प्रकट हुआ था। देश और संविधान निर्माताओं ने इस अमर तत्व का नाम 'हम भारत के लोग' रखा था। 'हम भारत के लोग' हमारा सामूहिक परिचय है। 'हम भारत के लोग' मिलजुल कर एक जन हैं। भारत जातियों और पंथों का गठजोड़ नहीं है। क्षेत्रीयताओं का योग भी राष्ट्र नहीं है। इस राष्ट्र के गठन का आधार संस्कृति है। यह संस्कृति सहस्त्रों वर्ष प्राचीन है। विशेष बात है एक सुनिश्चित भूखण्ड में इस संस्कृति की निरंतरता।

भारतीय संस्कृति में सबको साथ लेकर चलने की अद्भुत क्षमता है। भारत के लोग विषम परिस्थितियों में भी अपने देश की संप्रभुता के विरुद्ध कुछ भी सुनने को तैयार नहीं होते। एक राष्ट्र राज्य के रूप में भारत ने लगातार स्वयं को सुदृढ़ किया है। भारत का विभाजन और पाकिस्तान का निर्माण साथ-साथ हुआ था। भारत शक्तिशाली होता गया और पाकिस्तान बिखर रहा है। भारत में उत्सव हैं और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में भयानक सरकारी हिंसा है। बांग्लादेश में भी अशांति है। यूरोपीय उपनिवेश से मुक्त हुए अनेक देश टूट गए। इथोपिया, सूडान आदि भी विघटन का शिकार हुए। पश्चिमी यूरोप का यूगोस्लाविया 7 देशों में टूट

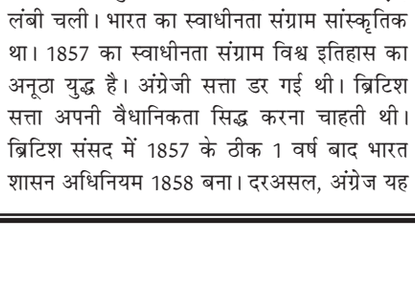

गया। पूर्व का सोवियत संघ 15 टुकड़ों में हो गया। यूक्रेन और मध्य पूर्व में अभी भी टूट-फूट की प्रक्रिया जारी है। इधर हाल के दो दशकों में बने तमाम विकसित और विकासशील देश कई बार दिवालिया घोषित हुए। भारत की आर्थिक प्रतिष्ठा बनी रही। तमाम देशों में निर्वाचित सरकारों को फौजी तानाशाहों ने अपदस्थ किया। भारत में लोकतंत्र का सुंदर अनुशासन बना रहा। भारत एक राष्ट्र राज्य के रूप में अपनी संस्कृति के कारण अजर-अमर और युवा राष्ट्र है।

संविधान निर्माता भारत के लोगों की जिजीविषा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से सुपरिचित थे। संविधान सभा के सदस्य वैदिक परंपरा और लोकतांत्रिक मानस के जानकार थे। ऐसे महान राष्ट्र पर विदेशी तत्वों ने आक्रमण किया। इसका प्रतिरोध भी हुआ लेकिन विदेशी सत्ता से लड़ाई लंबी चली। भारत का स्वाधीनता संग्राम सांस्कृतिक था। 1857 का स्वाधीनता संग्राम विश्व इतिहास का अनूठा युद्ध है। अंग्रेजी सत्ता डर गई थी। ब्रिटिश सत्ता अपनी वैधानिकता सिद्ध करना चाहती थी। ब्रिटिश संसद में 1857 के ठीक 1 वर्ष बाद भारत शासन अधिनियम 1858 बना। दरअसल, अंग्रेज यह सिद्ध करना चाहते थे कि वे भारत पर शासन विधि के अनुरूप चलाते हैं। 1861 में भारतीय परिषद् कानून बना लेकिन स्वाधीनता की मांग बढ़ती गई। इसी बीच एक अंग्रेज अधिकारी एओ ह्यूम ने 1885 में कांग्रेस की स्थापना की। 1892 में ब्रिटिश सत्ता ने भारतीय परिषद अधिनियम 1892 बनाया। 1909 में लार्ड मोर्ले और वायसराय मिन्टो के सुधार आए। नया भारतीय परिषद् अधिनियम बना। सेना, विदेशी कार्य और देशी रियासतों को छोड़कर बाकी विषयों पर बहस करने की शक्ति विधान परिषद् को मिली। परिषद् का आकार बढ़ा। अफसरों की संख्या घटी। निर्वाचित लोगों की संख्या बढ़ी।चुनाव के माध्यम से जीत कर आए सदस्यों की संख्या बढ़ी। यहीं सांप्रदायिकता का प्रवेश हुआ। मुस्लिम संप्रदाय के लिए अलग प्रतिनिधित्व का प्रावधान हुआ। ध्यान दीजिए मुस्लिम लीग 1906 में बनी और तीन वर्ष के अंदर ही उसे सफलता मिली। कांग्रेस 1885 में बनी थी। मुस्लिम लीग उसका राष्ट्रवाद 21 वर्ष के भीतर ही निगल गई। ब्रिटेन की संसद में फिर नया भारत अधिनियम आया। भारत में 2 तरह की सरकारों की व्यवस्था हुई। केन्द्र में 2 सदन बने। लेकिन सारी ताकत गवर्नर जनरल के पास थी। 1935 में नया भारत शासन अधिनियम आया। राजनीतिज्ञों के पद बढ़े। सीटें बढ़ीं। स्वाधीनता के अवसर पर इस छोटे से विचार को जान लेना जरूरी है। 1935 के भारत शासन अधिनियम की ज्यादातर बातें भारत शासन अधिनियम में हैं। 1942 का भारत छोड़ो आन्दोलन विचारणीय है। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां अंग्रेजों के खिलाफ थीं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की स्वाधीनता का दबाव बढ़ रहा था। भारत की सांस्कृतिक चेतना में विस्फोट था। अंग्रेजी सत्ता झुक गई। ब्रिटिश संसद में भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947 पारित हुआ।

K K

राष्ट्रीय समाचार

शनिवार 15 अगस्त 2026,नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

वह दौर बेहद डरावना था', विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर पीएम मोदी का भावुक संदेश, बंटवारे के दर्द को किया याद

नई दिल्ली (आरएनएस)। आजादी के जश्न में डूबे देश के बीच एक ऐसा दिन भी आता है, जो इतिहास के पन्नों में गहरे जख्मों के साथ दर्ज है। 80वें स्वतंत्रता दिवस के उल्लास से ठीक एक दिन पहले, 14 अगस्त का दिन उन अनगिनत आंखों की नमी को बयां करता है जिन्होंने बंटवारे का वो खौफनाक मंजर अपनी आंखों से देखा था। इसी 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के मौके पर शुक्रवार सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक भावुक संदेश साझा करते हुए उन सभी परिवारों के दर्द और संघर्ष को याद किया है, जिन्हें रातों-रात अपना सब कुछ छोड़कर एक अनजान सफर पर निकलने को मजबूर होना पड़ा था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने लिखा कि इतिहास का वह पन्ना बेहद डरावना और दर्दनाक था। बंटवारे की उस भयानक त्रासदी ने न जाने कितने ही हंसते-खेलते परिवारों को हमेशा के लिए बिखेर कर रख

दिया। लोगों को अपनी जन्मभूमि, अपनी जड़ें और अपने करीबियों को छोड़कर दर-बदर भटकना पड़ा। पीएम मोदी ने कहा कि उस दौरान लोगों ने जिस अकल्पनीय पीड़ा और यातनाओं का सामना किया, आज उसकी केवल कल्पना मात्र से ही रूह कांप जाती है। इस भीषण त्रासदी और बेइंतहा दर्द के बावजूद देशवासियों के अटूट हौसले की सराहना करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि उन लोगों ने कभी हार नहीं मानी। अपना सब कुछ गंवा देने के बाद भी उन्होंने शून्य से अपने जीवन की नई शुरुआत की। अपने खून-पसीने और कड़ी मेहनत के दम पर उन्होंने न सिर्फ अपनी जिंदगी को फिर से पटरी पर लाया, बल्कि हर मुसीबत और असफलता को अपनी सबसे बड़ी ताकत बना लिया। प्रधानमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि इन लोगों ने राष्ट्र के निर्माण और देश की तरक्की में जो अहम योगदान दिया है, वह अदम्य इंसानी जज्बे की असली ताकत की एक जीती-जागती मिसाल है।

अपने इस मार्मिक संदेश के अंत में प्रधानमंत्री ने देश के सभी नागरिकों से एक बेहद खास अपील भी की। उन्होंने कहा कि विभाजन का यह दिन हमें इस बात का संकल्प लेने की प्रेरणा देता है कि हम अपने समाज में आपसी भाईचारा, मेल-मिलाप और सौहार्द को किसी भी कीमत पर आंच न आने दें।

महाराष्ट्र में टैक्सी चालकों के लिए मराठी बोलना अनिवार्य, न मानने पर लाइसेंस होगा निलंबित

मुंबई ,(आरएनएस)। महाराष्ट्र सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक मीटर वाले टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा का ज्ञान अनिवार्य कर दिया है। राज्य सरकार ने महाराष्ट्र मोटर व्हीकल्स (थर्ड अमेंडमेंट) रूल्स, 2026 जारी करते हुए यह बड़ा फैसला लिया है। नए नियमों के तहत अब इलेक्ट्रॉनिक मीटर से चलने वाली टैक्सियों के अधिकृत चालकों और परमिट धारकों दोनों के लिए मराठी भाषा का कार्यसाधक ज्ञान होना जरूरी होगा। सरकार ने महाराष्ट्र मोटर व्हीकल्स नियम, 1989 में संशोधन किया है। नियम 4 में पूर्ववृत्त शब्द के बाद और मराठी भाषा का कार्यसाधक ज्ञान जोड़ा गया है। नियम 22 का हाशिया बदलकर इलेक्ट्रॉनिक मीटर लगी मोटर कैब के चालकों के लिए अतिरिक्त नियम कर दिया गया है। सबसे अहम बदलाव नियम 24 में किया गया है। इसके तहत अब हर अधिकृत टैक्सी चालक को मराठी का कार्यसाधक ज्ञान होना अनिवार्य है।अगर किसी चालक के पास मराठी का ज्ञान नहीं है तो लाइसेंसिंग अथॉरिटी एक महीने का नोटिस देगी। इस एक महीने में चालक को मराठी सीखनी होगी। अगर तय समय में चालक नियम का पालन नहीं करता है तो लाइसेंसिंग अथॉरिटी लिखित कारण दर्ज कर कार्रवाई कर सकती है।इसके तहत पहले ड्राइविंग लाइसेंस पर अधिकृतता तीन महीने तक निलंबित की जा सकती है। इसके बाद भी अनुपालन न होने पर उचित सुनवाई के बाद चालक का अधिकृत परमिट रद्द भी किया जा सकता है।सरकार ने नियम 78 और नियम 85 में भी बदलाव किए हैं। नए प्रावधान के अनुसार अब टैक्सी परमिट के नवीनीकरण के लिए भी मराठी भाषा का कार्यसाधक ज्ञान अनिवार्य होगा। प्राधिकरण के संतुष्ट होने पर ही इलेक्ट्रॉनिक मीटर वाली टैक्सी का परमिट रिन्यू किया जाएगा।राज्य सरकार का कहना है कि इस फैसले का उद्देश्य यात्रियों और चालकों के बीच संवाद को आसान बनाना है। महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में लोग मराठी बोलते हैं। ऐसे में टैक्सी चालकों का स्थानीय भाषा जानना जरूरी है ताकि यात्रियों को बेहतर सेवा मिल सके और उन्हें दिक्कतों का सामना न करना पड़े।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा की बिगड़ी तबीयत, AIIMS अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग में करवाया गया भर्ती

नई दिल्ली,(आरएनएस)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा को बेचैनी महसूस होने के बाद दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) में भर्ती कराया गया है। उनकी तबीयत को लेकर डॉक्टरों ने कई जांच कीं, जिनमें कोरोनरी एंजियोग्राफी भी शामिल है। AIIMS के अनुसार, फिलहाल उनकी हालत स्थिर है और उन्हें कार्डियोलॉजी विभाग में निगरानी के लिए रखा गया है। AIIMS की ओर से जारी आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, 65 वर्षीय जेपी नड्डा को बेचैनी की शिकायत के बाद चिकित्सकीय जांच के लिए लाया गया था। डॉक्टरों ने उनकी स्थिति का आकलन करने के लिए कई टेस्ट किए। इनमें कोरोनरी एंजियोग्राफी भी शामिल रही।अस्पताल ने बताया कि नड्डा की स्थिति फिलहाल स्थिर है और उन्हें कार्डियोलॉजी विभाग में चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है।कोरोनरी एंजियोग्राफी दिल की रक्त वाहिकाओं की जांच करने वाली एक मेडिकल इमेजिंग प्रक्रिया है। इसका इस्तेमाल हृदय तक ऑक्सीजन युक्त रक्त पहुंचाने वाली कोरोनरी धमनियों में किसी तरह की संकुचन या रुकावट का पता लगाने के लिए किया जाता है। इस प्रक्रिया में डॉक्टर आमतौर पर कलाई या कमर की रक्त वाहिका के जरिए एक पतली और लचीली ट्यूब यानी कैथेटर को हृदय की धमनियों तक पहुंचाते हैं। इसके बाद विशेष कंट्रास्ट डाई का इस्तेमाल कर एक्स-रे इमेज ली जाती हैं, जिससे रक्त वाहिकाओं की स्थिति स्पष्ट दिखाई देती है।

कोयला कारोबारी एलबी सिंह के करीबी ओम प्रकाश सिंह से ईडी की पूछताछ

रांची,(आरएनएस)। कोयला कारोबारी एलबी सिंह के करीबी ओम प्रकाश सिंह से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की पूछताछ शुक्रवार को जारी रही। ईडी ने 28 जुलाई को हुई छापेमारी के दौरान मिले दस्तावेजों के आधार पर ओम प्रकाश सिंह को पूछताछ के लिए समन भेजा था।समन के अनुसार ओम प्रकाश सिंह निर्धारित समय पर ईडी कार्यालय पहुंचा। आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी होने के बाद जांच एजेंसी ने उससे पूछताछ शुरू की। ईडी की जांच मुख्य रूप से एलबी सिंह की कारोबारी गतिविधियों से जुड़े बैंक खातों और उनमें होने वाले वित्तीय लेनदेन पर केंद्रित बताई जा रही है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, धनबाद में दूसरे दौर की छापेमारी के दौरान एलबी सिंह के करीबी लोगों के ठिकानों से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज मिले थे। दस्तावेजों की प्रारंभिक जांच में ईडी को ऐसे बैंक खातों के बारे में जानकारी मिली, जो कथित तौर पर एलबी सिंह की व्यापारिक गतिविधियों के लिए दूसरे लोगों के नाम पर खोले गए थे।जांच एजेंसी को संदेह है कि इन खातों में कारोबारी गतिविधियों से संबंधित रकम जमा की जाती थी, जबकि खातों का वास्तविक संचालन संबंधित खाताधारकों के बजाय अन्य लोगों द्वारा किया जाता था। जांच के दौरान सामने आया है कि एलबी सिंह ने कथित तौर पर अपनी व्यापारिक गतिविधियों के लिए ओम प्रकाश सिंह के नाम पर भी एक बैंक खाता खुलवाया था। ईडी इस खाते के संचालन, इसमें हुए लेनदेन और रकम के स्रोत समेत अन्य पहलुओं की जानकारी जुटा रही है।ईडी यह भी जांच कर रही है कि इन खातों का इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया गया और इनके जरिए होने वाले लेनदेन में किन-किन लोगों की भूमिका रही है। दस्तावेजों और पूछताछ से सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया जा सकता है।

छात्रों के समर्थन में उतरे सीजेआई सूर्यकांत, बीसीआई को लगा दी फटकार; बोले- जल्द लें लाइसेंस और आएं एससी

नई दिल्ली (आरएनएस)। बार काउंसिल ऑफ इंडिया को अपने एक सख्त फैसले पर उस वक्त मुंह की खानी पड़ी, जब विवाद गहराने के बाद उसे अपना ही आदेश वापस लेना पड़ा। दरअसल, बीसीआई ने हैदराबाद की प्रतिष्ठित नालसर यूनिवर्सिटी के 2026 बैच के लॉ ग्रेजुएट्स का वकील के तौर पर रजिस्ट्रेशन रोकने का फरमान जारी किया था। लेकिन, राजनीतिक दबाव और फिर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की कड़ी फटकार के बाद अब पूरी बाजी पलट गई है। सीजेआई ने न सिर्फ छात्रों का खुलकर समर्थन किया है, बल्कि BCI को सख्त हिदायत देते हुए स्पष्ट कर दिया है कि अदालत और छात्रों के बीच के मामले में काउंसिल का कोई लेना-देना नहीं है।

'जल्द लें लाइसेंस, सुप्रीम कोर्ट बार का बनें हिस्सा'

जानकारी के मुताबिक, बीसीआई ने शुरुआत में नालसर के छात्रों का पंजीकरण न करने का आदेश दिया था। हालांकि, जब कॉकरोच जनता पार्टी ने बीसीआई के चेयरमैन मनन मिश्रा को सीधे निशाने पर लिया, तो काउंसिल बैकफुट पर आ गई और तुरंत अपना आदेश रद्द कर दिया। इस पूरे विवाद पर सीजेआई सूर्यकांत ने भी कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने छात्रों का उत्साह बढ़ाते हुए आह्वान किया कि वे बिना किसी देरी के अपना लाइसेंस प्राप्त करें और सुप्रीम कोर्ट बार का हिस्सा बनें। सीजेआई ने कहा कि छात्रों का सुप्रीम कोर्ट बार में शामिल होना उन लोगों के लिए एक करारा जवाब होगा, जो इन युवा वकीलों के करियर में बेवजह रोड़े अटकाना चाहते थे।

उत्तराखंड के नर्सिंग स्टाफ, यूपीएनएल कर्मचारियों, बेरोजगार संघों और नेशनल ओल्ड पेंशन रेस्टोरेशन यूनाइटेड फ्रंट के प्रतिनिधियों ने नई दिल्ली में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की।

ड्रग किंगपिन वीरेंद्र बसोया को यूएई से घसीट लाई एनसीबी, अमित शाह बोले- देश छोड़कर भी कानून से बच नहीं पाएंगे तस्कर

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारत में नशे का जाल बिछाकर विदेशों में ऐश करने वाले तस्करों के दिन अब लद गए हैं। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने एक ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। भारतीय एजेंसियों को लंबे समय से चकमा दे रहे कुख्यात ड्रग किंगपिन वीरेंद्र सिंह बसोया को एनसीबी ने संयुक्त अरब अमीरात से धर दबोचा है और उसे वापस भारत ले आई है। बसोया विदेशी धरती से भारत में नशे का बहुत बड़ा सिंडिकेट ऑपरेट कर रहा था। इस बड़ी गिरफ्तारी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैले ड्रग्स नेटवर्क की कमर तोड़ने और भगोड़े अपराधियों को देश लाने की दिशा में एक मील का पत्थर माना जा रहा है।

'कानून के लंबे हाथों से कोई नहीं बचेगा'

नशे के इस बड़े सौदागर के पकड़े जाने पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी सख्त रुख अख्तियार किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एनसीबी और अन्य जांच एजेंसियों की पीठ थपथपाते हुए उन्होंने कहा कि मोदी सरकार विदेशों में बैठे तस्करों को खोज निकालने और उनके नेटवर्क को जड़ से खत्म करने का काम कर रही है। गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि ड्रग्स के खिलाफ सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति अब अपना पूरा असर दिखा रही है। उन्होंने तस्करों को खुली चेतावनी देते हुए कहा कि वे दुनिया के किसी भी कोने में क्यों न छिप जाएं, भारतीय कानून की गिरफ्त से बच नहीं सकते।वीरेंद्र सिंह बसोया कोई आम तस्कर नहीं, बल्कि ड्रग्स की दुनिया का एक खूंखार मास्टरमाइंड है। जांच एजेंसियों के रिकॉर्ड के मुताबिक, बसोया का नाम देश की कई बड़ी ड्रग जांचों और हजारों करोड़ रुपये की ड्रग्स की जब्ती में सामने आ चुका है।

ये सरकार बात सुनना नहीं चाहती, हम इनको पागल कर देंगे : राहुल गांधी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक बार फिर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जोरदार सियासी प्रहार किया है। रचनात्मक कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन को संबोधित करते हुए राहुल ने पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और आरएसएस को आड़े हाथों लिया। उन्होंने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों और उत्तराखंड की बलात्कार पीड़िता का जिक्र करते हुए सरकार पर जनता की आवाज दबाने का गंभीर आरोप लगाया। राहुल ने सख्त लहजे में कहा कि यह सरकार लोगों की बात सुनना ही नहीं चाहती, लेकिन हम इन्हें पागल कर देंगे।

'डरने की क्या बात है? ये जोकरों का समूह है'

अपने आक्रामक भाषण में राहुल गांधी ने पीएम मोदी की कार्यशैली पर तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री रात को नहीं सोते हैं और इसके पीछे कई कारण छिपे हुए हैं। उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधा। राहुल ने कहा कि खुद को चाणक्य और सरदार पटेल कहने वाले अमित शाह संसद में घुसने से डर गए और भाग गए, क्योंकि वह पहली बार भारत का असली एक्सप्रेशन (अभिव्यक्ति) सुन रहे हैं। कांग्रेस नेता ने लोगों से कहा, देश में कई लोग इस कायर फोर्स के आगे कायरों जैसा व्यवहार कर रहे हैं। जब आप जोकरों के एक समूह से लड़ रहे हैं, तो फिर डरने की बात ही क्या है?

आरएसएस ने ही छोटे कारोबारियों को दिया धोखा'

अपने भाषण के दौरान राहुल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि आरएसएस के लोगों को भारत की कोई समझ नहीं है। आरएसएस कभी छोटे कारोबारियों की ताकत हुआ करता था, लेकिन उसी संघ ने नोटबंदी करके और गलत जीएसटी लागू करके उन्हें धोखा दिया। राहुल ने दावा किया कि आरएसएस का कॉरपोरेटाइजेशन जो प्रमोद महाजन ने शुरू किया था, उसे नरेंद्र मोदी ने पूरा कर दिया है। उन्होंने कहा, असली आरएसएस अब खत्म हो चुका है, वह अब सिर्फ बड़ी पूंजी का एक जरिया मात्र बनकर रह गया है। हालांकि, राहुल ने यह भी कहा कि अगर भविष्य में आरएसएस को दबाने की कोशिश होगी, तो कांग्रेस उसकी रक्षा करने के लिए भी तैयार है। प्रधानमंत्री मोदी पर तीखे सवाल दागते हुए राहुल गांधी ने पूछा कि पीएम आखिर प्रेस कॉन्फ्रेंस क्यों नहीं करते? राहुल ने तंज कसते हुए कहा कि पहले उन्हें लगता था कि यह कोई मार्केटिंग स्ट्रेटजी है, लेकिन जब वह पीएम के साथ पांच मिनट एक कमरे में बैठे, तो समझ गए कि वह ज्यादा देर तक बोल ही नहीं सकते। राहुल ने चीन के मुद्दे पर भी सरकार को घेरा और दावा किया कि उन्हें पीएमओ (PMO) से सूचना मिलती है। उन्होंने कहा कि चीन ने अरुणाचल में हमारी ही जमीन पर हमें पेट्रोलिंग करने से रोक दिया है, लेकिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह और पीएम मोदी, सबकी हवा निकल गई है।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी खराब मौसम के बीच चमोली के पिपलकोटी पहुंचे, ताकि टनल में फंसे मजदूरों के लिए चल रहे बचाव अभियान का जायजा ले सकें।

अंबाला कैंट में एनएच-44 पर बवाल, पथराव में डीएसपी समेत 7 पुलिसकर्मी घायल; लाठीचार्ज के बाद हालात पर पाया गया काबू

अंबाला ,(आरएनएस)। हरियाणा के अंबाला कैंट में नेशनल हाईवे-44 पर देर रात स्थिति उस वक्त बेकाबू हो गई, जब सिख समुदाय के प्रदर्शनकारियों ने करीब 6 घंटे तक हाईवे को जाम रखा। जाम खुलवाने पहुंची पुलिस टीम पर उपद्रवियों ने अचानक हमला बोल दिया और पथराव शुरू कर दिया। इस हिंसक झड़प में एक डीएसपी समेत करीब 6 से 7 पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस को बेकाबू भीड़ को तितर-बितर करने और हाईवे को खाली कराने के लिए आंसू गैस के गोलों और लाठीचार्ज का सहारा लेना पड़ा। घटना की गंभीरता को देखते हुए हरियाणा के डीजीपी अजय सिंघल तुरंत अंबाला पहुंचे और घायल जवानों का हाल जाना।

क्यों मचा बवाल?

जानकारी के मुताबिक, सिख समुदाय के लोग अंतरराष्ट्रीय एंटी-खालिस्तानी टेररिस्ट फ्रंट के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरसिमरन सिंह मंड की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। इसी मांग को लेकर उन्होंने एनएच-44 पर धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिससे हाईवे पर लंबा जाम लग गया और यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। 6 घंटे तक चले इस जाम के बाद जब पुलिस अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंची और उन्हें समझाने-बुझाने की कोशिश की, तो भीड़ में मौजूद कुछ शरारती तत्वों और हथियारबंद उपद्रवियों ने पुलिस पर ही हमला कर दिया।

DSP के अंगूठे पर गंभीर चोट, कई जवान अस्पताल में

उपद्रवियों के इस अचानक हमले में पुलिस को भारी नुकसान उठाना पड़ा। हमले में डीएसपी वीरेंद्र शर्मा के अंगूठे पर गंभीर चोट आई है। उनके अलावा, सिपाही रक्षित, सिपाही नवीन कुमार, हेड कांस्टेबल संदीप कुमार, सहायक उप निरीक्षक सतीश और पंकज भी घायल हुए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए तुरंत अंबाला कैंट के मिलिट्री अस्पताल और नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

नर्मदापुरम विशेष

HONOURING FREEDOM INSPIRING THE FUTURE

Har Ghar Tiranga
Dedicated to the spirit of Vande Mataram

स्वतंत्रता दिवस 2026

विरासत की नींव पर नए युग का निर्माण, विकसित भारत की ओर अग्रसर हिंदुस्तान।

BED LINEN | BATH LINEN | YARN | PAPER | CHEMICALS | ENERGY

TRIDENTGROUP®
Being different is normal

WWW.TRIDENTINDIA.COM
FOLLOW US

स्वतंत्रता दिवस
हार्दिक शुभकामनाएं
वन्दे मातरम्
प्राचार्य-शा. उत्कृष्ट विद्यालय, नर्मदापुरम

सारे जहाँ से अच्छा
हिन्दोस्तां हमारा
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
जय हिन्द
प्रवर अधीक्षक डाक घर, नर्मदापुरम् संभाग

स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
सचिव लीलाधर पटेल
रोजगार सहायक पवन मीना
सरपंच
श्रीमती मंजू शिवकुमार तोमर
उपसरपंच, पंच व समस्त ग्रामवासी
ग्राम पंचायत-सिलारी जिला नर्मदापुरम

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक हार्दिक शुभकामनाएं
जय हिन्द
प्राचार्य पॉलिटेक्निक कालेज, नर्मदापुरम

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएं
DECADE OF ACTION FOR ROAD SAFETY 2021 - 2030
शासन से मान्यता प्राप्त
आओ हम मिलकर एक स्वच्छ-स्वस्थ एवं सुरक्षित सड़क संस्कृति विकसित करें।
रिलायबल मीटर ड्रायविंग स्कूल
सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा
प्रमाणित यातयात शिक्षा
यातायात पाठ्यक्रम ड्रायविंग थ्योरी
कार चलाना सीखें
संजय मीना
संचालक R.M.D.S.
इंस्टीट्यूट ऑफ रोड सेफ्टी ऐजुकेशन
पता- वार्ड नं. 25, गायत्री नगर एस.पी.एम. हरदा रोड, नर्मदापुरम
मो. 6264178706, 7999917198
https//www.RMDS.in

स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
आइए, हम सब मिलकर राष्ट्र निर्माण के इस संकल्प को और मजबूत करें और भारत को विकसित, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाएं।
जिला खाद एवं औषधि प्रशासन
नर्मदापुरम

शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
विमल मोटर
ड्राइविंग स्कूल होशंगाबाद की ओर से सभी देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
मात्र 30 दिनों में आधुनिक तकनीक के माध्यम से कार चलाना सीखें
कालिका नगर, बाबई रोड नर्मदापुरम
9827365699

स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,
रायपुर, नर्मदापुरम।

स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
सहकारी समिति
जासलपुर
नर्मदापुरम

स्वतंत्रता दिवस
की
हार्दिक शुभकामनाएं
जिला कोषालय अधिकारी,
नर्मदापुरम

15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की
हार्दिक शुभकामनाएं
दीपक मशीनरी एवं हार्डवेयर स्टोर्स
प्रो. दीपक सचदेव
मो. 9425041473
डीलर
एशियन पेंट एवं बर्जर पेंट सुप्रीम,
C.P.V.C., S.W.R. पाइप एवं फिटिंग
होटल भाग्यश्री के नीचे, इतवारा बाजारा
नर्मदापुरम, (म.प्र.)

स्वतंत्रता दिवस
की
हार्दिक शुभकामनाएं
प्राचार्य
जायस सालोमन
माता शबरी आवासीय परिसर
पंवारखेड़ा, नर्मदापुरम
जनजातीय कार्य विभाग, मध्य प्रदेश द्वारा संचालित।
राष्ट्र की स्वतंत्रता, एकता और अखंडता को समर्पित
स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर
समस्त देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं!
★★★ जय हिद! वंदे मातरम्! ★★★

टैगोर मॉडल उच्च. माध्य. विद्यालय, नर्मदापुरम
अबोध बालक दीजिए, सुबोध नागरिक लीजिए
I ♥ Love Tagore Model School
प्रवेश प्रारंभ
सत्र 2026-27
नारायण नगर, नर्मदापुरम
शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
कक्षा नर्सरी से बारहवी तक
हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम
Our 12th Class Topper's
Our 10th Class Topper's
Our 8th Class Topper's
Our 5th Class Topper's
विशेषताएं ■ अनुभवी प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा अध्यापन ■ छोटे बच्चों के प्रत्येक दिन एक कालखंड सिर्फ खेलकूद, आकर्षक झूले एवं अन्य आकर्षक खेल सामग्री ■ बच्चों के व्यक्तित्व विकास हेतु समय-समय पर तार्किक प्रतियोगिता द्वारा उनमें छिपी योग्यताओं को सामने लाना ■ कमजोर बच्चों के लिए विशेष शिक्षण व्यवस्था ■ स्मार्ट क्लास द्वारा बच्चों को प्रशिक्षित करना ■ भव्य एवं सर्व सुविधा युक्त विशाल भवन ■ वाहन व्यवस्था ■ प्रत्येक विषय के लिए सुसज्जित अलग-अलग प्रयोगशाला ■ वर्ष में एकबार शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन ■ पुस्तकालय की उत्तम व्यवस्था ■ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन ■ कक्षा 12वीं के बाद शिक्षा हेतु उचित मार्गदर्शन ■ शासन द्वारा दी जाने वाली विभिन्न वर्गों की छात्रवृत्ति सुविधा ■ बच्चों को प्रोत्साहन पुरस्कार ■ कम्प्यूटर शिक्षा सभी के लिये विशाल सुसज्जित कम्प्यूटर प्रयोगशाला
डॉ. असरारूल गनी
अध्यक्ष-श्री सरस्वती एजुकेशनल सोसाइटी, होशंगाबाद

15 अगस्त को नर्मदापुरम में ध्वजारोहण करेंगे सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग

स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में होंगे शामिल

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग 15 अगस्त 2026 को जिले के प्रवास पर रहेंगे तथा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मंत्री श्री सारंग 15 अगस्त को प्रात: 8:00 बजे सर्किट हाउस नर्मदापुरम पहुंचेंगे। मंत्री श्री सारंग प्रात: 09:00 बजे पुलिस लाईन स्थित परेड ग्राउड में आयोजित स्वंतत्रता दिवस ध्वजारोहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। इसके पश्चात प्रात: 11:30 बजे ज्ञानोदय सेकेन्डरी स्कूल, नर्मदापुरम में मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। मंत्री श्री सारंग प्रात: 12:00 बजे नर्मदापुरम से भोपाल के प्रस्थान करेंगे। स्वतंत्रता दिवस समारोह 2026 के निर्धारित कार्यक्रम अनुसार प्रात: 09:00 बजे से मुख्य अतिथि का आगमन, राष्ट्रीय गीत होगा। प्रात: 09:05 बजे परेड सलामी एवं निरीक्षण, हर्ष फायर, प्रात: 09:30 बजे मुख्यमंत्री के संदेश का सीधा प्रसारण किया जाएगा। प्रात: 10:00 बजे से मुख्य अतिथि मंत्री श्री सारंग द्वारा मुख्यमंत्री के जिला नर्मदापुरम हेतु संदेश का वाचन किया जाएगा। प्रात: 10:10 बजे से गुब्बारों का छोडा जाना, परेड द्वारा मार्च पास्ट, दल नायकों से परिचय एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी/लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान तथा पी.टी. प्रदर्शन किया जाएगा। प्रात: 10:30 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम, पुरस्कार एवं प्रशस्ति - पत्र वितरण, राष्ट्रीय गीत एवं राष्ट्रगान तदउपरांत कार्यक्रम का समापन होगा।

संभाग आयुक्त और आईजी ने माखन नगर जनपद में चौपाल लगा ग्रामीणों के हालचाल जाने

पेड़ के नीचे बैठकर सुनी ग्रामीणों की समस्या और तत्काल निराकरण करने के अधिकारियों को निर्देश दिए

नर्मदापुरम (निप्र)। संभाग आयुक्त श्रीकांत बनोट ने के साथ आईजी चंद्रशेखर सोलंकी ने जनपद पंचायत माखन नगर में पेड़ के नीचे ग्रामीणों से चर्चा कर चौपाल लगाई और ग्रामीणों को चाय भी पिलवाई। ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया जिसमें एक बुजुर्ग महिला हेमवती ने बताया कि उसकी पेंशन नहीं मिली है उसकी आर्थिक स्थिति कमजोर है इस पर संभाग आयुक्त ने तत्काल रेड क्रॉस से सहायता राशि दिलवाने के निर्देश दिए हैं। एक अन्य आवेदक सुंदरलाल बिशोरे ने बताया कि बरसात के समय उसके प्रधानमंत्री आवास पर पेड़ गिर गया है जिससे उसका घर क्षतिग्रस्त हो गया है संभाग आयुक्त श्री बनोट ने तत्काल पटवारी को निर्देश दिए कि इसका मौका मुआयना कर इसको सहायता उपलब्ध कराई जावे। इसी के साथ चौपाल में स्व सहायता समिति समूह की महिलाओं से भी वरिष्ठ अधिकारियों ने चर्चा की,वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा के दौरान कुछ महिलाओं ने बताया कि माना गांव में अवैध कच्ची शराब बन रही है उसका विक्रय हो रहा है जिससे बच्चों और परिवार पर गलत असर पड़ रहा है इस पर आईजी चंद्रशेखर सोलंकी ने टी आई माखन नगर सुश्री कंचन सिंह को तत्काल निर्देश दिए की तुरंत दबिश दें और इस प्रकार की कार्रवाई करें कि आगे किसी प्रकार की कोई भी ऐसी गतिविधियां न हो।

सर्पदंश से मृत्यु के मामले में आर्थिक सहायता का प्रकरण तत्काल तैयार कर कार्रवाई करें : संभाग आयुक्त

नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत संभाग आयुक्त श्रीकांत बनोट एवं नर्मदापुरम आईजी चंद्रशेखर सोलंकी ने आज थाना माखन नगर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाने में आए आवेदकों से चर्चा कर उनकी समस्याएं जानीं तथा संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एक आवेदक ने बताया कि उसकी पत्नी की मृत्यु सर्पदंश से हुई है और वह पोस्टमार्टम (पीएम) रिपोर्ट प्राप्त करने के लिए थाने आया है। इस पर आईजी श्री सोलंकी ने संबंधित अधिकारियों से कंप्यूटर के माध्यम से पीएम रिपोर्ट की प्रक्रिया की जानकारी ली तथा आवेदक को पीएम रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर से राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने शिष्टाचार भेंट कर इटारसी के टैगोर विद्यालय को लेकर की महत्वपूर्ण चर्चा

नर्मदापुरम (निप्र)। नई दिल्ली प्रवास के दौरान मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने भारत सरकार के केंद्रीय ऊर्जा तथा आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान मंत्री श्री खट्टर का कुशलक्षेम जाना और विभिन्न जनहित से जुड़े विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। भेंट के दौरान शहरी विकास, अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण, ऊर्जा क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाने सहित समसामयिक जनहितैषी विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। चर्चा के दौरान मध्य प्रदेश से जुड़े विकास कार्यों और क्षेत्र की आवश्यकताओं को लेकर भी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार साझा किए गए। विशेष रूप से पावर ग्रिड परिसर, पथरौटा इटारसी स्थित श्री टैगोर विद्यालय के निरंतर सुचारू संचालन तथा विद्यार्थियों के लिए सर्वसुविधायुक्त नवीन भवन की स्वीकृति से संबंधित विषय को केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखा गया। इस संबंध में आवश्यक पहल और सहयोग को लेकर भी महत्वपूर्ण चर्चा हुई। सांसद माया नारोलिया ने कहा कि मनोहर लाल खट्टर का सुदीर्घ प्रशासनिक अनुभव, सादगीपूर्ण जीवनशैली, दूरदर्शी नीतियां और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण सभी के लिए प्रेरणादायी है। भेंट के दौरान क्षेत्र के विकास और जनहित से जुड़े विषयों को लेकर सकारात्मक माहौल में चर्चा हुई।

तिरंगे के रंग में रंगा स्प्रिंगडेल्स स्कूल परिसर

'हर घर तिरंगा अभियान 2026' के तहत निकली भव्य तिरंगा रैली, गूंजे देशभक्ति के नारे

नर्मदापुरम (निप्र)। राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की भावना को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल तथा 13 एवं 5 एमपी एनसीसी बटालियन, नर्मदापुरम के निर्देशानुसार 'हर घर तिरंगा अभियान 2026' के अंतर्गत स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंण्डरी स्कूल, नर्मदापुरम में भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों एवं एनसीसी कैडेट्स की जोशीली सहभागिता ने पूरे वातावरण को देशभक्ति के रंग में रंग दिया।

तिरंगा बना राष्ट्रगौरव का संदेशवाहक

प्राचार्य श्रीमती मोना चटर्जी के मार्गदर्शन में आयोजित इस रैली का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान, राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति की भावना को सुदृढ़ करना था।रैली के प्रारंभ में डॉ आशीष चटर्जी ने एनसीसी कैडेट्स एवं विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि तिरंगा केवल हमारा राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि भारत की एकता, गौरव, त्याग और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों को राष्ट्र की एकता एवं अखंडता को बनाए रखने तथा देश के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया।रैली के दौरान एनसीसी कैडेट्स एवं विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ घर-घर तिरंगा तथा तिरंगा लहराएँगे—देश का मान बढ़ाएँगे जैसे जोशीले नारों का उद्घोष किया। हाथों में तिरंगा थामे विद्यार्थियों ने नागरिकों को राष्ट्रध्वज के सम्मान और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया।रैली के माध्यम से विद्यार्थियों ने यह संदेश दिया कि देशभक्ति केवल एक भावना नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारी और कर्तव्य का प्रतीक है। रैली का नेतृत्व एनसीसी के एएनओ सेकंड ऑफिसर शेख कमर एवं सीटीओ सुश्री रोशनी शर्मा ने किया। एनसीसी कैडेट्स एवं विद्यार्थियों की अनुशासित भागीदारी और उत्साह ने कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार ने 'हर घर तिरंगा' अभियान को सफल बनाने, राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करने तथा देश की एकता और अखंडता को सदैव सर्वोपरि रखने का संकल्प लिया।

तिरंगा यात्रा के माध्यम से राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश दे रहा है ट्राइडेंट ग्रुप

नर्मदापुरम /बुधनी/लुधियाना। देशव्यापी हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत ट्राइडेंट ग्रुप ने हर उस स्थान पर जहां कंपनी की विनिर्माण इकाइयां स्थापित हैं वहां भव्य तिरंगा यात्राओं का आयोजन कर राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता एवं जन भागीदारी की भावना को सशक्त किया। मध्यप्रदेश के बुधनी में ट्राइडेंट ग्रुप ने बुधनी नगर परिषद, स्थानीय प्रशासन, पुलिस एवं शैक्षणिक संस्थानो तथा स्थानीय नागरिकों के सहयोग से एक विराट तिरंगा यात्रा का आयोजन किया, जिसमें 7000 से अधिक लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह यात्रा आर0ओ0बी0 बुधनी से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई दशहरा मैदान में सम्पन्न हुई। पूरे आयोजन ने राष्ट्रीय गौरव, एकता और सामुहिक सहभागिता का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया।बुधनी के अलावा पंजाब स्थित ट्राइडेंट ग्रुप की इकाइयों में भी तिरंगा यात्राओं को लेकर व्यापक उत्साह देखा गया। पंजाब की संघेड़ा और धौला इकाइयों के कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। बरनाला में एक हजार से अधिक कर्मचारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने मोटरसाइकिल रैली में सहभागिता करते हुये राष्ट्रीय ध्वज के साथ देशभक्ति का प्रदर्शन किया तथा एकता, अखंडता एवं राष्ट्र निर्माण के मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर पद्मश्री राजिंदर गुप्ता, सदस्य राज्यसभा एव चेयरमैन एमेरिटस, ट्राइडेंट ग्रुप ने जानकारी देते हुए बताया कि हम राष्ट्रभाव और राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने वाले हमारे दूरदर्शी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। देशभक्ति केवल एक भावना नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का संकल्प है। वंदे मातरम् की 150 वीं वर्षगांठ के इस ऐतिहासिक अवसर पर तिरंगा यात्रा हमें यह स्मरण कराती है कि आत्मनिर्भर भारत का निर्माण सामूहिक जिम्मेदारी, सार्थक प्रयासों और निरंतर कर्म के माध्यम से ही संभव है। तिरंगा यात्राओं ने समाज के विभिन्न वर्गों को तिरंगे के नीचे एकजुट करते हुये राष्ट्रीय एकता, राष्ट्रभक्ति और जन भागीदारी का सशक्त संदेश दिया।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत कलेक्टर ने सांदीपनि विद्यालय सुखतवा का किया निरीक्षण

कक्षाओं में पहुंचकर विद्यार्थियों से किया आत्मीय संवाद, प्रश्न पूछकर परखी शैक्षणिक गुणवत्ता

नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने शुक्रवार को जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित सांदीपनि विद्यालय सुखतवा का निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक श्री साई कृष्ण एस. थोटा, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री विवेक नागवंशी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं विद्यालय के शिक्षक उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री मिश्रा ने निरीक्षण के दौरान विद्यालय में विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, शिक्षा व्यवस्था एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने विद्यालय की विभिन्न कक्षाओं में पहुंचकर विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद किया और उनकी पढ़ाई, विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं तथा शैक्षणिक गतिविधियों के संबंध में जानकारी ली।

विद्यार्थियों से प्रश्न पूछकर परखी शैक्षणिक गुणवत्ता

कलेक्टर ने विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता परखने के लिए उनसे विभिन्न विषयों से संबंधित प्रश्न पूछे। उन्होंने विद्यार्थियों के उत्तरों को ध्यानपूर्वक सुना तथा उनकी अध्ययन संबंधी जिज्ञासाओं पर भी संवाद किया। विद्यार्थियों से बातचीत के दौरान कलेक्टर ने उनके अनुभव एवं विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, अध्ययन - अध्यापन की प्रक्रिया एवं विद्यालय में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों के संबंध में चर्चा की। कलेक्टर ने कहा कि विद्यार्थियों की शिक्षा एवं सर्वांगीण विकास शासन की प्राथमिकता है। विद्यालय में बेहतर शैक्षणिक वातावरण के साथ आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।

विद्यालय परिसर में किया वृक्षारोपण

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पौधारोपण के साथ पौधों का संरक्षण भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

कलेक्टर ने अधिकारियों एवं शिक्षकों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के माध्यम से शासकीय संस्थाओं की व्यवस्थाओं का प्रत्यक्ष जायजा लेने के साथ विद्यार्थियों एवं आमजन से सीधे संवाद कर उनकी आवश्यकताओं और समस्याओं को समझा जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना तथा शासन-प्रशासन और जनता के बीच विश्वास एवं संवाद को और मजबूत करना है।

अखंड भारत सेवा समिति द्वारा ज्ञापन सौंपा गया

नर्मदापुरम (निप्र)। अखंड ब्राह्मण सेवा समिति रजिस्टर्ड (भारत वर्ष)नर्मदापुरम इकाई द्वारा पुलिस अधीक्षक,नर्मदापुरम को निमसाड़िया निवासी लालता प्रसाद मलैया के द्वारा विगत दिनों गोवंश के साथ अप्राकृतिक कृत्य किए जाने के संबंध में कानूनी कार्यवाही किए जाने वावत् एडिशनल एस पी को ज्ञापन सौंपा गया। गौमाता हमारी आस्था का केंद्र है, उपरोक्त विषय में समिति ने मांग की है कि आरोपित व्यक्ति को कठोर से कठोर दण्ड मिलना चाहिए। महोदय के द्वारा उक्त व्यक्ति पर एफआईआर दर्ज करने का आश्वासन भी दिया गया।। इस अवसर पर ज्ञापन देने वालों में समिति के जिला अध्यक्ष आचार्य पंडित नीरजेश त्रिपाठी, सचिवद्वय आचार्य पंडित दिनेश महाराज,और पंडित राम गोपाल चौबे, संगठन मंत्री पंडित आनंद थापक,, पंडित शिवनारायण शर्मा, पंडित संजय तिवारी एवं पंडित कुशाग्र उपस्थित रहे।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुखतवा का किया निरीक्षण

मरीजों एवं परिजनों से संवाद कर स्वास्थ्य सुविधाओं का लिया फीडबैक

नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुखतवा पहुंचकर अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्ड एवं खंडों में पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री मिश्रा ने अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से आत्मीयता से चर्चा की और उन्हें उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में फीडबैक लिया। उन्होंने मरीजों से उपचार, दवाओं, चिकित्सकीय सेवाओं एवं अस्पताल की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने एसएनसीयू वार्ड में पहुंचकर नवजात शिशुओं को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने नवजात

शिशुओं की माताओं से चर्चा कर उपचार एवं स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया तथा आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने स्वास्थ्य केंद्र के अधिकारियों एवं चिकित्सकीय स्टाफ को निर्देश दिए कि अस्पताल में भर्ती प्रत्येक मरीज को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए। मरीजों एवं उनके परिजनों की समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

मरीजों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता भी परखी निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अस्पताल में मरीजों को उपलब्ध कराए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता का भी जायजा लिया। उन्होंने भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप भोजन उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का उद्देश्य शासकीय संस्थाओं की व्यवस्थाओं का मौके पर निरीक्षण करने के साथ आमजन से सीधे संवाद कर उन्हें उपलब्ध सेवाओं का फीडबैक लेना है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में संवेदनशीलता, गुणवत्ता और तत्परता का विशेष ध्यान रखा जाए।

नर्मदापुरम में दूध और दुग्ध उत्पादों पर सघन अभियान

पनीर, सोया पनीर और घी के 7 नमूने जांच को भेजे, 19.68 किलो घी जब्त

नर्मदापुरम (निप्र)। नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन एवं कलेक्टर के निर्देश पर दूध एवं दुग्ध उत्पादों की शुद्धता को लेकर खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत गुरुवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश एस. दियावार ने नर्मदापुरम स्थित ब्लिंकिट और रिलायंस स्मार्ट स्टोर का निरीक्षण किया। इस दौरान पनीर और सोया पनीर के 03 नमूने जांच के लिए लिए गए। इसी क्रम में इटारसी स्थित कर्मा एजेंसी का औचक निरीक्षण भी किया गया। संदेह के आधार पर वहां से Purasure ब्रांड के घी के 04 नमूने जांच हेतु लिए गए और मौके पर 19.68 किलोग्राम घी जब्त किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि सभी 07 नमूने जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार अग्रिम प्रकरण प्रस्तावित किया जाएगा। विभाग ने जानकारी दी कि पिछले 07 दिनों में जिले भर में चलाए गए अभियान में लगभग 1426 लीटर संदेहास्पद घी

जनहित में जब्त किया गया है। जब्त घी की अनुमानित कीमत लगभग 7 लाख 30 हजार रुपये है। खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने कहा कि दूध, दूध उत्पाद और घी की जांच का यह सघन अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेगा।

केसला में आयोजित हुआ मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत जन संवाद कार्यक्रम

नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार प्रदेश में संचालित मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को केसला जनपद पंचायत में अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में विधायक प्रेमशंकर वर्मा, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक श्री साई कृष्ण एस. थोटा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई तथा हितग्राहियों की समस्याओं एवं आवेदनों का मौके पर निराकरण किया गया। अभियान का उद्देश्य शासन की योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना तथा शासन-प्रशासन और आमजन के बीच सीधे संवाद को मजबूत करना है। विधायक प्रेमशंकर वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं का लाभ मिले।

पढ़ाई को बनाएं लक्ष्य,बड़े सपने देखें और उन्हें पूरा करने के लिए मेहनत करें : संभाग आयुक्त

नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत संभाग आयुक्त श्रीकांत बनोट ने पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अचलपुर का निरीक्षण किया। इस दौरान आईजी चंद्रशेखर सोलंकी एवं डीआईजी वीरेन्द्र सिंह ने भी विद्यालय पहुंचकर विद्यार्थियों से संवाद किया और उनका उत्साहवर्धन किया। संभाग आयुक्त श्री बनोट एवं आईजी श्री सोलंकी ने विद्यार्थियों से उनके भविष्य के लक्ष्यों और रुचियों के संबंध में चर्चा की। उन्होंने बच्चों से गणित एवं अंग्रेजी विषय से संबंधित प्रश्न पूछकर उनके ज्ञान एवं शैक्षणिक स्तर का परीक्षण भी किया। विद्यार्थियों ने अपने भविष्य के सपनों के बारे में

बताते हुए कहा कि कुछ बच्चे रेलवे में जाना चाहते हैं, वहीं दो छात्राओं ने आईपीएस बनने की इच्छा व्यक्त की।संभाग आयुक्त श्री बनोट ने शिक्षकों को निर्देश दिए कि विद्यार्थियों की बुनियादी शिक्षा एवं मूलभूत अवधारणाओं को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाए। कक्षा 9वीं, 10वीं एवं 11वीं के विद्यार्थियों के लिए आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त कक्षाओं की व्यवस्था की जाए। जिन विषयों में विद्यार्थी कमजोर हैं, उन विषयों पर विशेष रूप से अतिरिक्त अध्यापन कराया जाए। उन्होंने कहा कि यदि विद्यार्थियों का बेस अभी से मजबूत होगा तो कक्षा 11वीं और 12वीं में उन्हें पढ़ाई में कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ेगा। विद्यार्थियों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि पढ़ाई को अपना लक्ष्य बनाएं।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com

जिनके अमर बलिदान से मिली स्वतंत्रता
उन वीरों को शत-शत नमन
नया मध्यप्रदेश
समानता का विश्वास, समावेशी विकास
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
स्वतंत्रता हमें केवल अधिकार नहीं देती, बल्कि यह कर्तव्य का स्मरण भी कराती है। आइए, हम सब मिलकर प्रदेश के समग्र विकास और समृद्धि के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का संकल्प लें।
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
प्रदेशवासियों को
80वें स्वाधीनता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
D-11080/26
जुड़ें नए मध्यप्रदेश से
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhypradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP